भाद्रपद शुक्ल - 2 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 44 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 05-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 माफियाओं के आगे नाक रगड़ने वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे : आदित्यनाथ

6 भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव

7 महिलाओं ने 'बुरे वक्त' का सामना हमेशा ही किया है : अनन्या पांडे

फर्स्ट टेक

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में सुनवाई टली

प्रयागराज/भाषा। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को सुनवाई 23 सितंबर तक के लिए टाल दी। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत कर रही है। इससे पूर्व, एक अगस्त, 2024 को अदालत ने मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा था कि यह वाद पोषणीय (सुनवाई योग्य) है। यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाने के बाद जमीन का कब्जा लेने और मंदिर का पुनर्निर्माण के लिए दायर किया गया है। यह विवाद मथुरा में मुगल बादशाह औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है जिसे कथित तौर पर भगवान कृष्ण की जन्मस्थली पर एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाया गया है।

बिहार के भाजपा सांसद को गैंगस्टर से मिला धमकी भरा संदेश

अररिया/भाषा। बिहार के अररिया लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद प्रदीप सिंह को एक कुख्यात अपराधी ने धमकी भरा संदेश भेजकर उनसे 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी है। साथ ही गैंगस्टर ने अपने दो भाइयों की रिहाई में मदद करने की भी मांग की है और मांगें पूरी न होने पर सांसद को जान से मारने की धमकी दी है। अररिया पुलिस द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, स्थानीय सांसद प्रदीप सिंह ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में कहा है कि 27 अगस्त को उनके मोबाइल फोन पर नेपाल के 'आईएसडी कोड' वाले नंबर से एक संदेश आया। सिंह के अनुसार, ''संदेश भेजने वाले ने खुद को विनोद राठौड़ बताया है। उसने संदेश में 10 लाख रुपये और अपने दो भाइयों की रिहाई के लिए सांसद के हस्तक्षेप की मांग की है।''

जॉर्जिया के हाई स्कूल में हुई गोलीबारी में कुछ लोग घायल

विंडेर/एपी। जॉर्जिया के एक हाई स्कूल में गोलीबारी की घटना में कुछ लोगों के घायल होने की खबर है। स्थानीय शेरिफ कार्यालय ने यह जानकारी दी। बैरो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक बयान में कहा कि स्कूल को बंद कर दिया गया है और इस सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। बयान के अनुसार सुबह लगभग साढ़े दस बजे कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों और अग्निशमन कर्मियों को कथित गोलीबारी की सूचना के बाद हाई स्कूल भेजा गया।

05-09-2024 सूर्यास्त 6:16 बजे	06-09-2024 सूर्योदय 5:57 बजे
BSE 82,352.64 (-202.80)	NSE 25,198.70 (-81.15)
सोना 7,539 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 93,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दण्ड महात्म्य

पद की मर्यादाएं रखना,
नैतिक जिम्मेदारी है।
न्याय और न्यायालय ने भी,
यही बात स्वीकारी है।
दण्ड सचेतक है गलती का,
इसकी गरिमा न्यारी है।
इज्जतदारों के ऊपर तो,
इक रुपया भी भारी है।।

सरकार ने त्रिपुरा के दो उग्रवादी समूहों के साथ शांति समझौता पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र खासकर आदिवासियों की संस्कृति, भाषा और पहचान को संरक्षित रखते हुए उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न सिर्फ पूर्वोत्तर और दिल्ली के बीच की खाई को पाटकर उन्हें सड़क, रेलवे और उड़ानों के जरिए जोड़ा है, बल्कि दिलों के बीच की दूरी को भी पाटा है।

शाह यहां 'नॉर्थ ब्लॉक' में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां केंद्र और त्रिपुरा सरकार तथा राज्य के दो उग्रवादी समूहों ने एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का मकसद पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा को समाप्त करना और शांति लाना है। उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर के साथ ही शांति और प्रगति की दिशा में त्रिपुरा की यात्रा में आज एक नया मील का पत्थर स्थापित हो गया।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और गृह मंत्रालय तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के प्रतिनिधियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद थे।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार में अपना भरोसा जताते हुए एनएलएफटी और एटीटीएफ ने 35 साल पुराने संघर्ष को समाप्त करने और मुख्यधारा में लौटने, हिंसा छोड़ने और समृद्ध एवं विकसित त्रिपुरा के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध होने पर सहमति दी है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार पूर्वोत्तर के, खासकर आदिवासी समूहों की संस्कृति, भाषा और पहचान को संरक्षित रखते हुए, समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में शांति और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, सरकार ने पूर्वोत्तर में हस्ताक्षरित सभी शांति समझौतों को लागू किया है। उन्होंने कहा कि उग्रवाद, हिंसा और संघर्ष से मुक्त विकसित पूर्वोत्तर के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को पूरा करने के लिए गृह मंत्रालय अथक प्रयास कर रहा है।

भारत 'विस्तारवाद की नहीं, विकास की नीति का समर्थन करता है' : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंदर सेरी बेगवान/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परोक्ष रूप से चीन के संदर्भ में बुधवार को कहा कि भारत ''विस्तारवाद की नहीं बल्कि विकास की नीति'' का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री मोदी की ब्रुनेई की द्विपक्षीय यात्रा के दौरान दोनों देशों ने क्षेत्र में ''नौवहन की स्वतंत्रता'' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

प्रधानमंत्री की सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के साथ रक्षा, व्यापार समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ भारत और ब्रुनेई ने द्विपक्षीय साझेदारी को 'उच्च स्तर तक' बढ़ाने की कवायद को अमली जामा पहनाया। मोदी ने सुल्तान बोलकिया द्वारा आयोजित भोज में किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, ''हम विस्तारवाद की नहीं बल्कि विकास की नीति का समर्थन करते हैं।''

चीन का दक्षिण चीन सागर (एससीएस) और पूर्वी चीन सागर (ईसीएस) में कई देशों के साथ विवाद है। चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपीन, मलेशिया, वियतनाम, ब्रुनेई और ताइवान भी इस पर अपना दावा करते हैं। मोदी ने कहा, ''हम इस बात पर सहमत हैं कि इस क्षेत्र में एक आचार संहिता को अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा आसियान (दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) को प्राथमिकता दी है और आगे भी ऐसा करता रहेगा।

ब्रुनेई की द्विपक्षीय यात्रा पर आने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''हम यूएनसीएलओएस (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि) जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।''

दोनों नेताओं की वार्ता के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। बयान के अनुसार, ''दोनों नेताओं ने शांति, स्थिरता, समुद्री रक्षा और सुरक्षा को बनाए रखने एवं बढ़ावा देने के साथ नौवहन एवं उड़ान की स्वतंत्रता का सम्मान करने एवं अंतरराष्ट्रीय कानून विशेष रूप से यूएनसीएलओएस, 1982 के अनुरूप निर्बाध वैध व्यापार की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।''

इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से यूएनसीएलओएस 1982 के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से विवादों को सुलझाने का आग्रह किया।

दोनों नेताओं ने शांति, स्थिरता, समुद्री रक्षा और सुरक्षा को बनाए रखने एवं बढ़ावा देने के साथ नौवहन एवं उड़ान की स्वतंत्रता का सम्मान करने एवं अंतरराष्ट्रीय कानून विशेष रूप से यूएनसीएलओएस, 1982 के अनुरूप निर्बाध वैध व्यापार की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सिंगापुर पहुंचे

सिंगापुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्र सिंगापुर के साथ ''रणनीतिक साझेदारी को गहरा'' करने और निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को यहां पहुंचे । प्रधानमंत्री मोदी ब्रुनेई की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा समाप्त करने के बाद सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर इस दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की अपनी पांचवीं आधिकारिक यात्रा के तहत यहां पहुंचे। नई दिल्ली में अधिकारियों ने बताया कि दो दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री सिंगापुर के नेतृत्व की तीन पीढ़ियों से संवाद करेंगे। सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग ने रात्रिभोज के लिए अपने तेमासेक बंगले पर मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी की सरकार को जल्द हटा देंगे : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने दावा किया कि हाल में हुए लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना आत्मविश्वास खो चुके हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि हाल में हुए लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना आत्मविश्वास खो चुके हैं और वह समय दूर नहीं जब उनकी सरकार सत्ता में नहीं रहेगी।

जम्मू कश्मीर के बनिहाल विधानसभा क्षेत्र के संगलदान में एक चुनावी रैली में राहुल गांधी ने दावा किया कि केंद्र सरकार को प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उनके

कॉरपोरेट मित्र चला रहे हैं।

बेरोजगारी के मुद्दे पर मोदी पर निशाना साधते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा कि माल एवं सेवाकर (जीएसटी) और नोटबंदी से छोटे कारोबारियों के हितों को नुकसान पहुंचा है क्योंकि सरकार दो अरबपतियों के लिए काम कर रही है।

गांधी ने कहा, मुझे मोदी के कॉरपोरेट मित्रों अदाणी और अंबानी का नाम न लेने को कहा गया, इसलिए मैं उनके लिए ए1 और ए2 जैसे उपनामों का इस्तेमाल कर रहा हूं। यह सरकार 'हम दो, हमारे दो' की तरह है - मोदी और शाह, तथा अंबानी और अदाणी - ये चारों वास्तव में सरकार चला रहे हैं।

कांग्रेस नेता गांधी ने आरोप लगाया कि संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने के बाद जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा छीन लिया गया ताकि दो अरबपतियों को लाभ पहुंचाया जा सके।''

दोपहिया वाहन खरीदारों को कम कीमत पर हेलमेट उपलब्ध कराएं वाहन विनिर्माता : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को दोपहिया वाहन विनिर्माताओं से वाहन खरीदारों को छूट या उचित दर पर हेलमेट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि कई लोग हेलमेट नहीं पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा देते हैं। वर्ष 2022 में हुए सड़क हादसों में 50,029 लोगों की मौत हेलमेट नहीं पहनने की वजह से हो गई थी। उन्होंने कहा, ''मैं दोपहिया वाहन निर्माताओं से अनुरोध करने के बारे में सोच रहा हूं। अगर वे वाहन खरीदने वालों को हेलमेट पर कुछ उचित छूट दे सकें तो लोगों की जान हम बचा सकते हैं।''

इसके साथ ही गडकरी ने स्कूल बसों के लिए पार्किंग व्यवस्था की योजना बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 में यातायात उल्लंघनों पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है, लेकिन असल में इन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना एक बड़ी चुनौती है।

गडकरी ने कहा कि वह सुरक्षित यातायात को बढ़ावा देने के लिए देश के हर तालुका में ड्राइविंग स्कूल खोलना चाहते हैं।

बोको हरम के हमले में 100 से अधिक लोगों मौत

मैदुगुरी/एपी। पूर्वोत्तर नाइजीरिया में संदिग्ध बोको हरम चरमपंथियों ने बाजार, नमाजियों और लोगों के घरों में गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 100 ग्रामीण मारे गये। स्थानीय निवासियों ने बुधवार को यह दावा किया। योबे पुलिस के प्रवक्ता डुंगस अब्दुलकरीम ने बताया कि रविवार शाम को 50 से अधिक चरमपंथी मोटरसाइकिलों से योबे प्रांत के तारमुवा परिषद क्षेत्र में घुस गये और इमारतों में आग लगाने से पहले उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। योबे के उप-गवर्नर इदी बार्डे गुबाना ने रविवार को हुए हमले में मरने वालों की संख्या 34 बताई है। समुदाय के नेता जना उमर ने कहा कि उप-गवर्नर ने हमले में मारे गये जिन 34 लोगों के बारे में बताया है, वे एक ही गांव के हैं। उन्होंने कहा कि अब तक हमले में 102 ग्रामीणों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों को या तो अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही दफना दिया गया था।

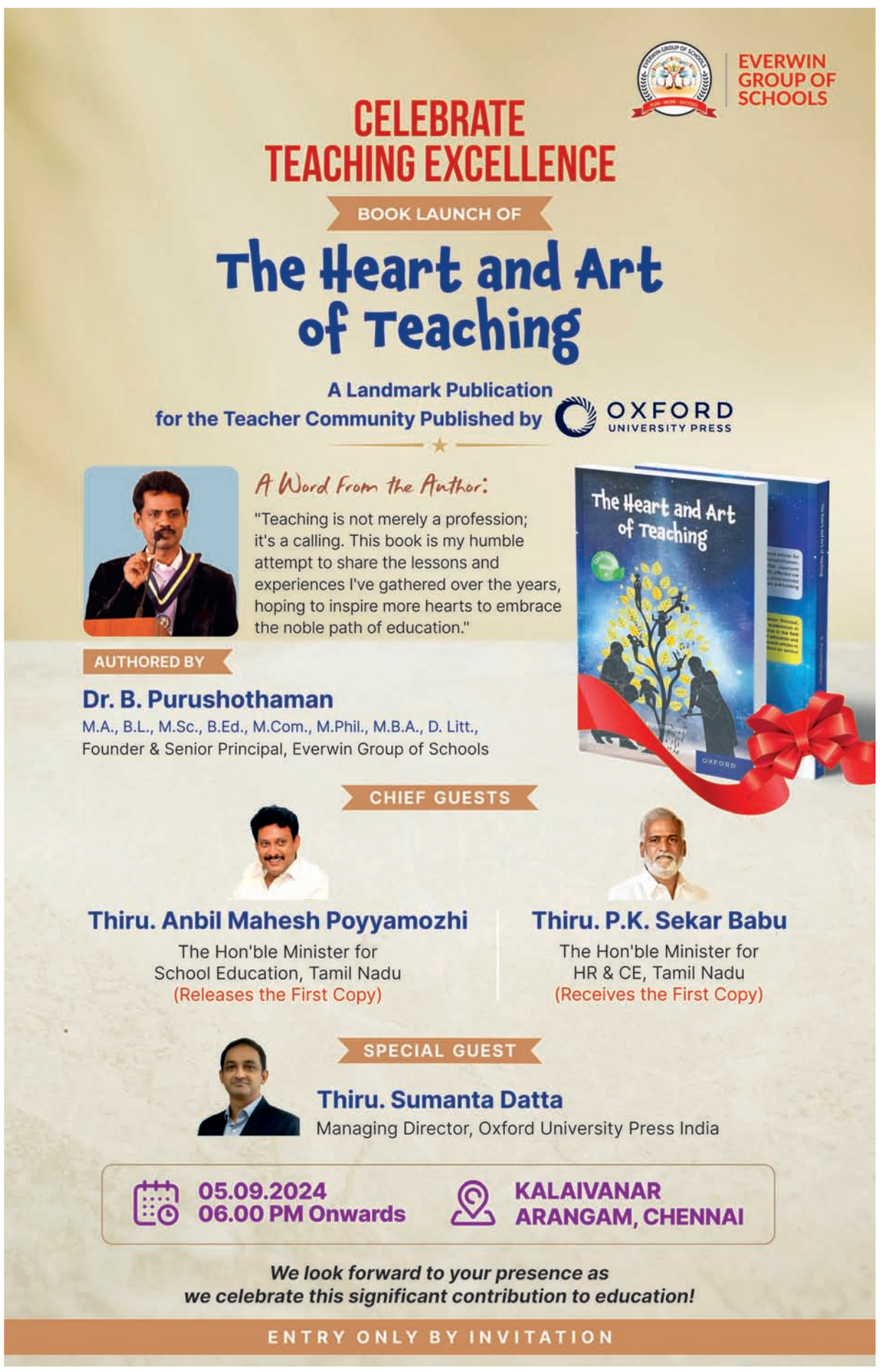

दुनिया को दुःख-मुक्त करने आये थे महावीर : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

श्रद्धा भक्ति से मनाया प्रभु महावीर का जन्मोत्सव

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में पर्युषण महापर्व के अंतर्गत बुधवार को चौबीसवें तीर्थंकर महावीरस्वामी का जन्मोत्सव अत्यंत हर्ष-उल्लास से मनाया गया। हजारों श्रद्धालु इस उत्सव में सम्मिलित हुए। लोगों ने कुमकुम लगाकर, गुलाबजल लगाकर और श्रीफल प्रदान कर एक दूसरे को प्रभुजन्म की बधाई दी। सभी ने कतारों में खड़े रहकर प्रभु का झूला झुलाया।

इससे पूर्व माता त्रिशला को आये चौदह महान स्वप्नों को तकनीक के आधार पर आसमान ऊपर से उतार कर सकल संघ को दर्शन कराए गए। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि महावीर ने अपरिग्रह और अनेकांतवाद के जो सिद्धांत दिए, वे विश्वशांति की आधारशिला बन सकते हैं। विनाश के कगार पर खड़ी दुनिया अपने अस्तित्व की शायद यह आखरी लड़ाई लड़ रही है। चारों ओर हिंसा, युद्ध व अनैतिकता का वातावरण जोर पकड़ता जा रहा है। ऐसी स्थिति में महावीर के उपदेशों पर दुराग्रह मुक्त चिंतन होना चाहिए। महावीर को जैन धर्म के तीर्थंकर के रूप में नहीं, देश, काल और संप्रदायों की सीमा से ऊपर उठकर समझा जाना चाहिए।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान महावीर दुनिया को दुःखों से मुक्ति दिलाने आए थे। मगध की भूमि के इस राजपुत्र ने सभी जाति-वर्गों की उन्नति का उपदेश दिया। अपनी परंपरा में उन्होंने मात्र वैश्य, क्षत्रिय और ब्राह्मण ही नहीं, क्षुद्र-दलितों को भी सम्मिलित कर मानवीय इतिहास में क्रांतिकारी कदम उठाया था। हरिजन व दलित परिवार के मुनि मेतारज और मुनि हरिकेशी को अपने संघ में सम्मिलित कर वर्धमान महावीर ने समानता का अद्भुत आदर्श प्रस्तुत किया।

बारह वर्षों का उनका संपूर्ण साधना काल तपस्या, धीरता और सहनशीलता में बीता। अहिंसा और क्षमा उनकी साधना के प्राणबिंदु थे। अपकारी के प्रति भी उन्होंने उपकार की वर्षा की। प्रतिकार, तिरस्कार और वैमनस्य उनके जीवन से सर्वथा परे थे। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि बुधवार को देश-विदेश में करीब पैंतालीस हजार से अधिक स्थानों पर महावीरस्वामी का जन्मोत्सव मनाया गया।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना देश के सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डूरू (जम्मू कश्मीर)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना देश के सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है और आश्वासन दिया कि यदि मोदी सरकार विधानसभा चुनाव के बाद इसे बहाल करने में विफल रहती है तो केंद्र में सत्तारूढ़ होने पर 'इंडिया' गठबंधन सरकार का यह पहला निर्णय होगा।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह बात जम्मू-कश्मीर के डूरू विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कही। यह श्रीनगर से 75 किलोमीटर दूर स्थित है। कांग्रेस-नेशनल कान्फ्रेंस (नेकां) गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर इस सीट से कांग्रेस महासचिव जी ए मीर चुनाव लड़ रहे हैं।

गांधी ने कहा, ''जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना न केवल कांग्रेस पार्टी या 'इंडिया' गठबंधन की जिम्मेदारी है, बल्कि देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चाहती थी कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा विधानसभा चुनाव से पहले बहाल हो जाए, लेकिन भाजपा चुनाव के बाद ऐसा करना चाहती थी। उन्होंने कहा, ''एक बात तो तय है कि जम्मू-कश्मीर को उसका राज्य का दर्जा वापस मिलेगा, मैं इसकी गारंटी देता हूं। या तो भाजपा इसे बहाल करेगी (चुनावों के बाद) या जब 'इंडिया' गठबंधन (केंद्र में) अगली सरकार बनाएगी, तो यह पहला निर्णय होगा।''

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद के लिए एमवीए के तीनों दल होड़ में : पीयूष गोयल

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को दावा किया कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के तीनों प्रमुख घटक महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद पाने के लिए उत्सुक हैं।

वे उन खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे जिनमें कहा गया था कि एमवीए के सहयोगी - कांग्रेस, राकांपा (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) - यह तय कर सकते हैं कि आगामी विधानसभा चुनावों में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली पार्टी को प्रमुख पद मिलेगा।

गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, तीनों घटक दल शीर्ष पद की दौड़ में हैं...यह उनका आंतरिक मामला है। उत्तर मुंबई से भाजपा सांसद गोयल ने उन दावों का भी खंडन किया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में विकास प्रभावित हो रहा है क्योंकि निकाय चुनाव दो साल से अधिक समय से लंबित हैं और बृहन्मुंबई नगर निगम एक प्रशासक के अधीन है। उन्होंने कहा, बीएमसी में प्रशासक हैं, इस वजह से उत्तर मुंबई के विकास में कोई देरी नहीं हुई है।''

केंद्र ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में आठ लाख आवास के लिए मंजूरी दी : मुख्यमंत्री साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में आठ लाख से अधिक घरों के निर्माण को मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उनकी सरकार ने केंद्र से राज्य में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए पीएमएवाई के तहत अलग से घरों को मंजूरी देने का अनुरोध किया है। छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार (2018-23) की आलोचना करते हुए साय ने आरोप लगाया कि वह राज्य में इस योजना को लागू करने में विफल रही, जिसके चलते 18 लाख परिवार पक्के (कंक्रीट) घरों से वंचित रह गए। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने आवास योजना को लागू करने में खास रुचि नहीं दिखाई जिसके कारण 18 लाख परिवारों को योजना तहत घर नहीं मिल सके। बघेल सरकार ने इस योजना के लिए राज्य के हिस्से की 40 प्रतिशत राशि वितरित नहीं की क्योंकि योजना में 'प्रधानमंत्री' शब्द जुड़ा था और उन्हें डर था कि इसका श्रेय भाजपा सरकार (केंद्र में) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाएगा।'' पिछले साल दिसंबर में पदभार संभालने वाले मुख्यमंत्री

साय ने कहा कि नवनिर्वाचित भाजपा सरकार ने अपनी पहली मंत्रिमंडल बैठक में पीएमएवाई (2023 विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा पार्टी द्वारा की गई एक प्रमुख घोषणा) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लाभार्थियों के लिए 18 लाख घरों की मंजूरी दी और राज्य के हिस्से की धनराशि की भी व्यवस्था की। साय ने कहा कि मंगलवार को केंद्र ने छत्तीसगढ़ में पीएमएवाई के तहत 8,46,931 घरों के निर्माण की मंजूरी दी हैं और इस फैसले के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। साय ने बताया कि उनकी सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए पीएमएवाई के तहत अलग से घरों के निर्माण को मंजूरी देने का केंद्र से अनुरोध किया है। साय ने कहा, ''हमने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान (जिनके पास कृषि और ग्रामीण विकास विभाग है) से आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए पीएमएवाई के तहत अलग से घर स्वीकृत करने का अनुरोध किया है, जिस पर उन्होंने विचार करने पर सहमति जताई है।''

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की भाजपा सरकार इन लोगों के लिए 10,000 घर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक नई योजना 'नियद नेल्लानार' (आपका अच्छा गांव) शुरू की है, जिसके तहत सुरक्षा शिविरों के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में विकास कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों(पीवीटीजी) की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) योजना के तहत राज्य में 24,064 घर स्वीकृत किए गए और उनमें से अधिकांश पूरे हो चुके हैं।

गुजरात में भारी बारिश से एक सप्ताह में 49 लोगों की मौत, 37,000 लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात में अगस्त के अंतिम सप्ताह में भारी बारिश के कारण 49 लोगों की मौत हो गई। विभिन्न इलाकों में सड़कें क्षतिग्रस्त होने और बाढ़ आने के बाद एनडीआरएफ और सेना सहित विभिन्न एजेंसियों ने 37,000 से अधिक लोगों को बचाया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। गहरे दबाव के कारण 25 से 30 अगस्त के बीच गुजरात के कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई। राज्य राहत आयुक्त आलोक कुमार पांडे ने बताया कि गुजरात-राजस्थान सीमावर्ती इलाकों में बना दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे अरब सागर की तरफ बढ़ गया (जो बाद में चक्रवाती तूफान असना में बदल गया)।

गांधीनगर स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) में पांडे ने संवाददाताओं को बताया कि इस अवधि के दौरान, बिजली गिरने, दीवार गिरने और पानी में डूबने जैसी वर्षा जनित घटनाओं में 49 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने

कहा, ''49 मौतों में से 22 के परिजनों को पहले ही नियमों के अनुसार मुआवजे के तौर पर 4-4 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मारे गए 2,618 पशुओं के मालिकों को 1.78 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई है।'' उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात में अब तक औसत वार्षिक वर्षा का 108 प्रतिशत बारिश हुई है। राज्य राहत आयुक्त ने बताया कि भारी बारिश के मद्देनजर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 17 टीम, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की 27 टीम, सेना की नौ टुकड़ियां तथा वायुसेना और तटरक्षक की अतिरिक्त टीम तैनात की गईं। पांडे ने कहा, ''विभिन्न टीम ने 37,050 लोगों को सफलतापूर्वक बचाया और 42,083 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इसके अलावा, 53 लोगों को हवाई मार्ग से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।'' उन्होंने कहा कि बारिश से प्रभावित जिलों में मकानों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण किया जा रहा है, जिसमें आंशिक रूप से या नष्ट हुए मकान भी शामिल हैं। पांडे ने कहा कि भारी बारिश के कारण 2,230 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिन्हें अगले 10 दिन में मरम्मत कर यातायात योग्य बना दिया जाएगा।

सरकार आंध्र प्रदेश में बाढ़ की स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है: शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केंद्र आंध्र प्रदेश में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है और उसने विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है जो राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जायजा लेगी और तत्काल राहत के लिए सिफारिशें करेगी। बारिश और बाढ़ के कारण राज्य में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ के कारण आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों, खासकर विजयवाड़ा में काफी नुकसान हुआ है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि मोदी सरकार आंध्र प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा, ''गृह मंत्रालय ने आज अतिरिक्त सचिव (आपदा प्रबंधन) के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम गठित की।'' गृह मंत्री ने कहा, ''यह टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी, बाढ़ प्रबंधन, जलाशय प्रबंधन, बांध सुरक्षा के मुद्दों आदि का मौके पर जाकर आकलन करेगी और तत्काल राहत के लिए सिफारिशें करेगी।''

तेलंगाना सरकार ने बाढ़ के बाद राहत कार्य तेज किए

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना सरकार ने भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित खम्मम और अन्य स्थान पर बुधवार को राहत कार्य तेज कर दिए। इस बीच, अधिकारियों ने भद्राचलम में बाढ़ को लेकर पहली चेतावनी जारी की, क्योंकि मंगलवार दोपहर गोदावरी नदी का जलस्तर 43 फुट तक पहुंच गया था। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि भदाद्री-कोथागुडेम जिले के कलेक्टर जितेश वी. पाटिल ने अधिकारियों को भद्राचलम में संवेदनशील इलाकों के निवासियों को राहत शिविरों में भेजने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने कहा कि अगर जलस्तर 53 फुट तक पहुंचा तो तीसरी और अंतिम चेतावनी जारी की जाएगी। भद्राचलम में प्रसिद्ध भगवान राम मंदिर है, जिसे 'दक्षिण का अयोध्या' भी कहा जाता है। अधिकारियों ने खम्मम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वच्छता, जल व बिजली आपूर्ति बहाली समेत बाढ़ के बाद वाले राहत कार्य तेज कर दिए हैं। इस बीच, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राज्य में बारिश व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री (गृह) बी. संजय कुमार और लोकसभा सांसद ए. राजेंदर के नेतृत्व में दो अलग-अलग टीमों का गठन किया है। आईएमडी के मौसम केंद्र ने विशेष मौसम बुलेटिन में कहा कि पांच अगस्त को जयशंकर भूपालपल्ली और मुलुगु जिलों में विभिन्न स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

वधावन बंदरगाह को लेकर वैश्विक आकर्षण, पैदा होंगे 12 लाख रोजगार: सोनोवाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के पालघर में निर्माणाधीन वधावन बंदरगाह को लेकर दुनियाभर से दिलचस्पी दिखाई जा रही है और इसके चालू हो जाने पर करीब 12 लाख रोजगार पैदा होंगे।

सोनोवाल ने यहां सागरमंथन समारोह के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस बड़े कंटेनर बंदरगाह का विकास 10 अरब डॉलर के अनुमानित निवेश से किया जा रहा है। इसके चालू हो जाने पर 12 लाख से अधिक रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। इसे लेकर खासा वैश्विक आकर्षण भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में इस बंदरगाह की आधारशिला रखी है।

सोनोवाल ने हरित बदलाव की दिशा में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रीन टग ट्रांजिशन कार्यक्रम न केवल भारत को लाभान्वित करेगा बल्कि जलवायु परिवर्तन में अन्य देशों के लिए एक मॉडल के रूप में भी काम करेगा।

उन्होंने वैश्विक नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं सहित सभी हितधारकों को मुंबई में 18-19 नवंबर को होने वाले 'सागरमंथन' समारोह के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने महासागरों की अपार क्षमता का दोहन करने और सभी के लिए समावेशी और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

समुद्री संचालन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाने की जरूरत: सान्याल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने बुधवार को कहा कि भारत समुद्री संचालन में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की ओर बढ़ रहा है। इसलिए उसे जहाजों और पोत परिवहन बुनियादी ढांचे के प्रति अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने और समुद्री संसाधनों और क्षमताओं में निवेश, निर्माण और उपयोग के तरीके में बदलाव लाने की जरूरत है।

सान्याल बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के सहयोग से ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित किए जाने वाले 'सागरमंथन : द ग्रेट ओशन्स डायलॉग' के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आयोजकों के बयान में कहा गया, ''यह कार्यक्रम 18-19 नवंबर, 2024 को होगा... आगामी वार्ता नीली अर्थव्यवस्था, समुद्री लॉजिस्टिक, बंदरगाह, पोत परिवहन, जलमार्ग, महत्वपूर्ण खनिज, विविध आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक समुद्री अर्थव्यवस्था एवं प्रशिक्षण और श्रम मानकों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।'' अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में अपनी बढ़ती प्रमुखता के साथ, भारत समुद्री संचालन व्यवस्था में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। बयान में सान्याल के हवाले से कहा गया, ''स्वतंत्रता के बाद दशकों तक, भारत का दुनिया के प्रति एक दृष्टिकोण सीमित दायरे था। हालांकि, यह बदल रहा है।

भारत को अब एक समुद्री राष्ट्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। हमारे आर्थिक अस्तित्व के लिए समुद्री स्थान महत्वपूर्ण है। हमें जहाजों और पोत परिवहन बुनियादी ढांचे के प्रति अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, जिससे हम अपने समुद्री संसाधनों और क्षमताओं में निवेश, निर्माण और उपयोग करने के तरीके को बदल सकें।''

बिना टिकट यात्रियों के झूठे आरोपों से निपटने के लिए टीटीई ने की 'बॉडीकैम' की मांग

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे टिकट चेकिंग स्टाफ संगठन ने बिना टिकट सफर करने वाले यात्रियों द्वारा लगाए गए 'छेड़छाड़ के झूठे आरोपों और जान से मारने की धमकियों' से निपटने के लिए रेलवे बोर्ड से 'बॉडी कैमरे' की मांग की है। संगठन ने इन मांगों को रखते हुए हाल के कुछ मामलों का जिक्र किया, जिनमें बिना टिकट सफर करने वाले यात्रियों ने टिकट मांगने पर गालियां दीं, छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई और जब ट्रेन टिकट निरीक्षकों (टीटीई) ने उनसे जुर्माना भरने के लिए कहा तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी। आईआरटीसीएसओ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, ''बॉडी कैमरा से हमें छेड़छाड़ के झूठे आरोपों से बचाने के लिए साक्ष्य जुटाने और बिना टिकट यात्रियों द्वारा दुर्व्यवहार या जान से मारने की धमकी दिए जाने की स्थिति में कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।'' रेलवे ने टिकट जांच करने वाले कुछ कर्मचारियों को पिछले साल प्रायोगिक तौर पर 'बॉडी कैमरे' उपलब्ध कराए थे, लेकिन इसे औपचारिक रूप से शुरू नहीं किया गया है।

केदारनाथ के व्यापारियों के लिए निशुल्क हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होगी

रुद्रप्रयाग/भाषा। केदारनाथ यात्रा को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए केदारपुरी में व्यवसाय कर रहे व्यापारियों व स्थानीय लोगों के वास्ते बृहस्पतिवार से निःशुल्क हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी । रुद्रप्रयाग के जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिला प्रशासन की ओर से यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि जुलाई में अतिवृष्टि के बाद केदारनाथ में व्यवसाय कर रहे लोगों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालकर नीचे लाया गया था तथा अब उन्हें निशुल्क हेलीकॉप्टर के माध्यम से केदारनाथ धाम पहुंचाया जाएगा । विशेष हैली सेवा का संचालन हिमालय शेरसी हैलीपैड से किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक ग्रामीणों को अपने व्यवसाय से संबंधित दस्तावेजों सहित अपना संपूर्ण विवरण संबंधित ग्राम प्रधान को उपलब्ध कराना होगा ताकि आवश्यक औपचारिकताओं के बाद उन्हें हेलीकॉप्टर से केदारनाथ धाम पहुंचाया जा सके। इकत्तीस जुलाई को केदारघाटी में बारिश और भूस्खलन से केदारनाथ पैदल मार्ग तथा मोटर मार्ग का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था जिसके कारण धाम की यात्रा अवरुद्ध हो गई थी।

सुरक्षित ड्रोन संचालन के लिए दिशानिर्देशों पर काम कर रहे हैं नागर विमानन, गृह मंत्रालय: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि नागर विमानन और गृह मंत्रालय ड्रोन के सुरक्षित संचालन के साथ-साथ उसके महत्तम इस्तेमाल के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को लेकर काम कर रहे हैं।

मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार मणिपुर में हाल की घटना के संदर्भ में गलत मकसद से उड़ाए जा रहे ड्रोन के मामलों से निपटने के लिए किसी विशेष योजना पर विचार कर रही है। मणिपुर में हाल ही में जातीय हिंसा के दौरान उग्रवादियों ने बम गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था। नायडू ने कहा, '' ड्रोन को लेकर सुरक्षा का पहलू भी है। हम गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुछ दिशानिर्देश तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं और यदि आवश्यक हुआ तो इसके लिए एक अधिनियम भी बनाया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि दिशानिर्देशों का मकसद सुरक्षित संचालन और ड्रोन का अधिकतम इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में अंतर-मंत्रालयी परामर्श किया जा रहा है। सरकार विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए कई कदम भी उठा रही है। नायडू ने राष्ट्रीय राजधानी में एक सम्मेलन से इतर कहा, '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न गतिविधियों, खासकर कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल का काफी समर्थन कर रहे हैं...जब हम दिशानिर्देश तैयार करते हैं तो इसमें ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के साथ सुरक्षा के पहलू को भी ध्यान में रखना होता है।''

मूर्तिकार जयदीप आप्टे की तलाश में जुटी हैं सात टीम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में पुलिस ने मूर्तिकार एवं ठेकेदार जयदीप आप्टे का पता लगाने के लिए सात से अधिक टीमें लगाई हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में जयदीप आप्टे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने

बताया कि 26 अगस्त को प्रतिमा के ढहने के दिन से ही पुलिस 24 वर्षीय आप्टे की तलाश कर रही है, लेकिन अब तक उसका पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि सिंधुदुर्ग पुलिस ने आप्टे के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया है, ताकि उसे समुद्री बंदरगाहों, हवाई अड्डों और अन्य सभी निकास बिंदुओं से देश छोड़ने से रोका जा सके। सिंधुदुर्ग पुलिस की टीमें मुंबई, ठाणे, सिंधुदुर्ग और कोल्हापुर समेत कई जगहों पर आप्टे की तलाश कर रही हैं। अधिकारी ने बताया कि कुछ टीमें आरोपी को पकड़ने के लिए तकनीकी मदद का भी इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम ठाणे जिले के कल्याण के दुधनाका स्थित आप्टे के आवास पर गयी थी, लेकिन वहां ताला लगा हुआ था। आप्टे ने मराठा योद्धा शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा बनाने का ठेका लिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चार दिसंबर को नौसेना दिवस के अवसर पर इसका उद्घाटन किये जाने के बाद नौ माह से भी कम समय में यह प्रतिमा 26 अगस्त को गिर गयी थी। इस प्रतिमा के गिरने के बाद मालवण पुलिस ने आप्टे और 'स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट' चेतन पाटिल के खिलाफ लापरवाही और अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया है। पाटिल को पिछले सप्ताह कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया था।

स्टालिन की अमेरिका यात्रा

तमिलनाडु सरकार ने किए 'इटॉन', 'एश्योरेंट' के साथ करार

अमेरिका के शिकागो शहर में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थित में चेन्नई में भारत का पहला ग्लोबल कॉम्पिटेंस सेंटर (जीसीसी) ऑफ एश्योरेंट स्थापित करने के लिए एश्योरेंट और तमिलनाडु सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन अमेरिका की यात्रा पर हैं और इस दौरान तमिलनाडु सरकार ने अनुसंधान एवं विकास तथा चेन्नई में इंजीनियरिंग केंद्र के विस्तार के लिए एक प्रौद्योगिकी कंपनी 'इटॉन' के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये।

राज्य सरकार ने व्यापक जोखिम प्रबंधन समाधान प्रदाता 'एश्योरेंट' के साथ भी एक समझौता किया है, जिसके तहत एक ग्लोबल केपेबिल्टी सेंटर' की स्थापना की जाएगी। यह कंपनी का भारत में पहला ऐसा केंद्र होगा। डबलिन (आयरलैंड) और बीचवुड (ओहियो-अमेरिका) में मुख्यालय वाली इटॉन कॉरपोरेशन' और अटलांटा (अमेरिका) में मुख्यालय वाली एश्योरेंट' दोनों ही अमेरिका की 500 सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल हैं।

यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि समझौतों पर तीन सितंबर को शिकागो में हस्ताक्षर किए गए तथा इटॉन' के साथ हुए करार से 500 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, शिकागो में एक और सफल दिन! 200 करोड़ रुपये के आरएंडडी और चेन्नई में इंजीनियरिंग सेंटर विस्तार के लिए इटॉन के साथ एमओयू किया, जिससे 500 नौकरियां पैदा होंगी। इसके अलावा भारत में 'एश्योरेंट' का पहला 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' भी बनेगा, जो जल्द ही चेन्नई में शुरू होगा।

उद्योग मंत्री टी आर बी राजा, निवेश करने वाली कंपनियों और सरकार के शीर्ष अधिकारी इसमें शामिल हुए।

दक्षिण रेलवे में राजभाषा माह की जोरदार शुरूआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी तेजप्रतापसिंह के निर्देशानुसार हिंदी विभाग ने 4 सितम्बर को राजभाषा माह के शुभारंभ के रूप में सुलेखन प्रतियोगिता चेन्नई मंडल में शुरू की। हिंदी से परिचित और इच्छुक सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया था। सभी अनुवादक एवं सहायक प्रत्येक विभाग के इंचार्ज बनाये गये। कार्मिक विभाग, लेखा विभाग, यांत्रिक विभाग आदि 15 विभागों में कर्मचारियों को उन्हीं के स्थान पर यह प्रतियोगिता चलायी गई। 'न भूतो न भविष्य' जैसे इस सुलेखन प्रतियोगिता में लगभग सैंकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय बात यह है कि कई अधिकारियों ने भी इसमें उत्साह पूर्वक भाग लिये हैं। इसी क्रम में इस राजभाषा माह में पूरे माह निबंध, वाक्, टिप्पण व आलेखन, संगीत, अंत्याक्षरी, राजभाषा प्रश्नमंच, वार्तालाप आदि प्रतियोगिताएँ चलायी जाएँगी। वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ए. श्रीनिवासन ने समन्वय का कार्य किया।

कोयम्बटूर -धनबाद स्पेशल ट्रेन रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व मध्य रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे के काजीपेट सेक्शन में नॉन इंटरलॉकिंग कार्यों के कारण 15 सितम्बर से 7 अक्टूबर तक ट्रेन सेवाओं को रद्द करने की अधिसूचना जारी की है। इसमें ट्रेन संख्या 03325 धनबाद-कोयंबटूर स्पेशल जो 11 , 18 , 25 सितंबर और 02 अक्टूबर को धनबाद से 11:00 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। वहीं ट्रेन संख्या 03326 कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल जो 14 , 21 , 28 सितंबर और 5 अक्टूबर को कोयंबटूर से 12:00 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

मद्रास उच्च न्यायालय ने सेंथिल बालाजी की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने एक सत्र अदालत के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी द्वारा दायर याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया। सत्र अदालत ने धनशोधन से जुड़े एक मामले में बालाजी को बरी करने से इनकार कर दिया था।

न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति वी शिवगणनम की खंडपीठ ने द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता द्वारा दायर याचिका को वापस लिया मानते हुए खारिज कर दिया। सेंथिल बालाजी के वकील ने इसे वापस लेने के लिए अनुरोध किया था। बालाजी के वकील ने दलील दी कि चूंकि मुकदमा शुरू हो गया है इसलिए याचिकाकर्ता इस याचिका को आगे बढ़ाने के लिए इच्छुक नहीं हैं।

पीठ ने कहा कि इसे वापस लेने का अनुरोध किया गया इसलिए याचिका को वापस लिया गया मानते हुए खारिज किया जाता है। प्रवर्तन निदेशालय ने बालाजी को 14 जून 2023 को नकदी के बदले नौकरी मामले में गिरफ्तार किया था। यह कथित घोटाला उस वक्त हुआ था जब वह तत्कालीन अन्नाद्रमुक सरकार में परिवहन मंत्री (2011-15) थे। प्रवर्तन निदेशालय ने 12 अगस्त 2023 को बालाजी के खिलाफ 3000 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया था।

सत्र न्यायालय और मद्रास उच्च न्यायालय ने उनकी कई जमानत याचिकाएं खारिज की हैं।

आईडीएमए एवं आईपीए द्वारा कॉस्मेटिक पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा एसआरएम कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी ने आईडीएमए तथा आईपीए (तमिलनाडु शाखा) के साथ मिलकर कॉस्मेटिक पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में उद्योग पेशेवरों के साथ फार्मा उद्योग के शोधकर्ताओं सहित तीन सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में फॉक्सटेल कंज्यूमर प्राइवेट लिमिटेड से डॉक्टर रमेश सूर्यनारायण अनुसंधान एवं विकास प्रमुख डॉक्टर एम विजय कुमार अपेक्स लैबोरेट्रीज प्राइवेट लिमिटेड से सहायक महाप्रबंधक (हर्बल डिवीजन) सी नारायणन क्लेरियन ग्रुप का कंपनीज के उपाध्यक्ष एस मुरलीकृष्ण सहित अनेक प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया तथा उत्पाद विकास में नवाचारों तथा कॉस्मेटिक उत्पादों पर अत्याधुनिक अनुसंधान सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय औषधि निर्माता संघ (आईडीएमए) दक्षिण के अध्यक्ष तथा भारतीय औषधि संघ (आईपीए) तमिलनाडु के उपाध्यक्ष जे. जयशीलन ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स और कॉस्मेटिक उत्पादों के बीच के अंतर को पाटने के लिए दोनों क्षेत्रों के ज्ञान और प्रथाओं को एकीकृत करना आवश्यक है तथा दोनों क्षेत्रों के बीच निरंतर अनुसंधान से ही दोनों क्षेत्रों में प्रगति को बढ़ावा दिया जा सकता है।

स्कूली बच्चों के यौन उत्पीड़न के आरोप में चिकित्सक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में स्कूल की छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। ये छात्राएं स्कूल परिसर के भीतर संचालित एक छात्रावास में रहती हैं। जिला बाल संरक्षण अधिकारी सहित अधिकारियों द्वारा छात्राओं के साथ बातचीत के बाद चिकित्सक द्वारा कुछ महीनों की अवधि के दौरान कथित तौर पर किए गए यौन शोषण की जानकारी सामने आई है। इन अधिकारियों ने 'चाइल्ड हेल्पलाइन' को आए फोन कॉल के आधार पर कार्रवाई की तथा अपराध के बारे में अधिकारियों को सूचित किया।

इस संबंध में फोर्ट ऑल महिला पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद आरोपी चिकित्सक सैमसन (31) को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया और तीन सितंबर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपी के पिछले इतिहास के बारे में पूछे जाने पर महिला पुलिस थाने ने कहा कि उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। चूंकि, चिकित्सक की मां स्कूल की प्रधानाध्यापिका थीं, इसलिए वह अपने प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए अक्सर छात्रावास में आता था और अपराध को अंजाम देता था। यह स्कूल निजी तौर पर संचालित और सरकारी सहायता प्राप्त है।

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, जो तमिलनाडु में नए व्यापार निवेश को आकर्षित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका गए हैं, सैन फ्रांसिस्को से शिकागो पहुंचे। शिकागो हवाई अड्डे पर भारतीय महावाणिज्य दूत सोमनाथ घोष और अमेरिकी तमिलों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर उद्योग मंत्री डीआरपी राजा भी उपस्थित रहे।

प्रवीण खन्ना बीआईएस (दक्षिणी क्षेत्र) के नए उप महानिदेशक नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मानक ब्यूरो के दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई में वैज्ञानिक -जी प्रवीण खन्ना ने उपनिदेशक दक्षिणी क्षेत्र के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना राज्य और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और गोवा के केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। बीआईएस में प्रवीण खन्ना ने दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर तथा फरीदाबाद में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उप महानिदेशक (दक्षिणी क्षेत्र) का कार्यभार संभालने से पहले प्रवीण खन्ना नई दिल्ली में प्रमुख (विदेशी निर्माता प्रमाणन) के पद पर कार्यरत थे।

बैरिकेड तोड़कर ट्रक से टकराई कार, चार दोस्तों की मौत

चेन्नई। ईस्ट कोस्ट रोड पर बुधवार को एक कार के सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा जाने के कारण कार सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। कथित तौर पर तेज गति से चलाई जा रही कार ने पहले बैरिकेड को टक्कर मारी और फिर अनियंत्रित हो कर ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई, जिससे उसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना बुधवार को तड़के ईसीआर के सेम्मानचेरी कुप्पम में हुई। मोहम्मद आशिक तीन सितंबर को मलेशिया से चेन्नई लौटा था। वह अपने तीन दोस्तों के साथ पुडुचेरी-चेन्नई राजमार्ग पर शहर की ओर जा रहा था। अन्य तीन मृतकों की पहचान आदिल मोहम्मद, असलफ अहमद और सुल्तान के रूप में हुई है। खराब होने के कारण सड़क के किनारे खड़ा ट्रक शहर के मायलापुर में स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी का है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

विजयन और आरएसएस के लिए 'बिचौलिये' की भूमिका निभा रहे हैं आईपीएस अजित कुमार : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में विपक्षी दल कांग्रेस ने आईपीएस अधिकारी एम आर अजित कुमार पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और आरएसएस के बीच 'बिचौलिए' के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने दावा किया कि आईपीएस कुमार ने त्रिशूर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार की लोकसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर जानबूझकर प्रतिष्ठित त्रिशूर पूरम उत्सव में बाधा डाली। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए जानना चाहा कि क्या उन्होंने अपने विश्वसनीय अधिकारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कुमार को पिछले साल मई में त्रिशूर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले से मिलने के लिए भेजा था? हालांकि, मुख्यमंत्री और आरएसएस ने अभी तक इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के विधायक पी वी अनवर द्वारा उनके राजनीतिक सचिव पी. शशि और एडीजीपी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए जाने के बावजूद विजयन अभी भी आईपीएस अधिकारी को बचा रहे हैं। सतीशन ने आरोप लगाया कि अजित कुमार ने पिछले साल मई में त्रिशूर के परमेक्कावु में एक स्कूल में दक्षिणपंथी संगठन द्वारा आयोजित शिविर में आरएसएस नेता से एक निजी कार में मुलाकात की थी और दोनों लोगों ने एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की थी। विधानसभा में विपक्ष के नेता ने सवाल किया, मुख्यमंत्री ने एडीजीपी के माध्यम से आरएसएस महासचिव को क्या संदेश दिया? सतीशन ने आरोप लगाया कि इस बैठक का उद्देश्य मुख्यमंत्री के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की जांच से बचना और चुनाव के दौरान राजनीतिक समझौता करना था।विजयन और आरएसएस के लिए 'बिचौलिये' की भूमिका निभा रहे हैं आईपीएस अजित कुमार : कांग्रेस

तिरुवनंतपुरम। केरल में विपक्षी दल कांग्रेस ने आईपीएस अधिकारी एम आर अजित कुमार पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और आरएसएस के बीच 'बिचौलिए' के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने दावा किया कि आईपीएस कुमार ने त्रिशूर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार की लोकसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर जानबूझकर प्रतिष्ठित त्रिशूर पूरम उत्सव में बाधा डाली। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए जानना चाहा कि क्या उन्होंने अपने विश्वसनीय अधिकारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कुमार को पिछले साल मई में त्रिशूर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले से मिलने के लिए भेजा था? हालांकि, मुख्यमंत्री और आरएसएस ने अभी तक इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के विधायक पी वी अनवर द्वारा उनके राजनीतिक सचिव पी. शशि और एडीजीपी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए जाने के बावजूद विजयन अभी भी आईपीएस अधिकारी को बचा रहे हैं। सतीशन ने आरोप लगाया कि अजित कुमार ने पिछले साल मई में त्रिशूर के परमेक्कावु में एक स्कूल में दक्षिणपंथी संगठन द्वारा आयोजित शिविर में आरएसएस नेता से एक निजी कार में मुलाकात की थी और दोनों लोगों ने एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की थी। विधानसभा में विपक्ष के नेता ने सवाल किया, मुख्यमंत्री ने एडीजीपी के माध्यम से आरएसएस महासचिव को क्या संदेश दिया? सतीशन ने आरोप लगाया कि इस बैठक का उद्देश्य मुख्यमंत्री के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की जांच से बचना और चुनाव के दौरान राजनीतिक समझौता करना था।

जागरूकता एक्सपो — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को विश्व यौन स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर डॉ. कामराज हॉस्पिटल फॉर मेन्स हेल्थ और आकाश फर्टिलिटी सेन्टर एण्ड हॉस्पिटल द्वारा यौन स्वास्थ्य और स्टेम सेल पर पांच दिवसीय जागरूकता एक्सपो शुरु हुआ। इसका उद्घाटन डीएमके लोकसभा सांसद सुश्री तमिझाची थंगापांडियन ने अस्पताल के संस्थापक डॉ. टी. कामराज और डॉ. केएस जयरानी कामराज की उपस्थिति में किया। इस मौके पर एक पुस्तक का विमोचन सांसद ने किया।

समीक्षा बैठक — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को चेन्नई कॉर्पोरेशन के तहत क्षेत्रों में किए जा रहे उत्तर पूर्वी मानसून सुधार कार्यों और बाढ़ रोकथाम कार्यों के संबंध में रिपन बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स कॉन्फ्रेंस में सेवा विभागों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन, नगर प्रशासन मंत्री के.एन. नेहरू, हिंदू धर्म और धर्मार्थ मंत्री पीके शेखरबाबू, निगम की महापौर आर प्रिया आदि की उपस्थिति में बैठक में मानूसन और बाढ रोकथाम कार्यों पर चर्चा हुई। इस मौके पर सांसद दयानिधि मारन, डॉ. कलानिधि वीरासामी सहित अनेक विधायक एवं उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

नेशनल फर्टिलाइज़र्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
आंचलिक विपणन कार्यालय-हैदराबाद,-#3-6-666, बरवाले चेम्बर्स, स्ट्रीट नंबर 10, हिमायत नगर, हैदराबाद-500029

निविदा आमंत्रण सूचना

संदर्भ संख्याः एनएफएल/जेडओ/एचवाईडी/एबीडी/पीडीएमटीपीटी/2024-25/1-3 दिनांकः 05.09.2024

एनएफएल बागलकोट, कुड्डालोर और शिवगंगाई में स्थित ईआईडी पैरी (इंडिया) लिमिटेड से कर्नाटक और तमिलनाडु के विभिन्न गंतव्यों तक पीडीएम के परिवहन के लिए परिवहन ठेकेदार की नियुक्ति के लिए ई-टेंडर आमंत्रित करता है। प्रत्येक इकाई के लिए निविदा विवरण वेबसाइट www.nationalfertilizers.com (होमपेज) और या https://gem.gov.in से देखा और डाउनलोड किया जा सकता है:-

राज्य	पीडीएम यूनिट	अंतिम तिथि
कर्नाटक	बागलकोट	25.09.2024 (15:00 बजे)
तमिलनाडु	कुड्डालोर और शिवगंगाई	25.09.2024 (15:00 बजे)

शुद्धिपत्र/परिशिष्ट यदि कोई हो तो उसे केवल एनएफएल की वेबसाइट और GEM पोर्टल पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

एनएफएल किसी भी या सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

आंचलिक प्रबंधक (विपणन)

बारिश से उदयपुर-जोधपुर में हालत बिगड़े, रेलवे ट्रैक बहा, नेशनल हाईवे बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर से तेज बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में स्थिति बिगड़ गई है। जोधपुर और उदयपुर में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। चामुंडा नदी के उफान पर होने के कारण जोधपुर में स्थिति गंभीर हो गई है, और जोधपुर-जैसलमेर रेलवे ट्रैक के नीचे से मिट्टी बह जाने से ट्रैक को नुकसान पहुंचा है। इस कारण से दो ट्रेनें बुधवार सुबह से कैंसिल कर दी गई हैं और एक ट्रेन को रास्ते में ही रोक दिया गया है। जोधपुर शहर में पानी की स्थिति नदियों जैसी हो गई है, जिससे यातायात और सामान्य जीवन पर असर पड़ा है।

उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर भी भारी बारिश के कारण बुधवार सुबह 7 बजे लंबा जाम लग गया। पानी भरने से वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतार लग गई, जिसे दोपहर 1 बजे के आसपास साफ किया गया। लगातार हो रही बारिश के कारण बांसवाड़ा, डूंगरपुर, धौलपुर, चित्तौड़गढ़, और उदयपुर में बड़े डैम के गेट खोलने पड़े हैं।

पाली के सोजत में सुकड़ी नदी में अचानक पानी का बहाव बढ़ने के कारण एक बाइक सवार बुआ-भतीजा रपट पर बह गए। श्मशान घाट में दाह संस्कार के लिए आए लोगों ने तौलियों की रस्सी बना कर 20 मिनट की कड़ी मेहनत के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। फिलहाल, बागड़ी और सोजत रोड के बीच का रास्ता बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया गया है। जोधपुर के तिंवरी ट्रैक पर मिट्टी और कंक्रीट बह जाने के कारण सुबह 7 बजे से ट्रैक पर ट्रेनें बंद हैं। रानीखेत एक्सप्रेस को ओसियां में रोका गया है और जैसलमेर-काठगोदाम एक्सप्रेस के रूट में बदलाव कर दिया गया है। यह ट्रेन अब फलोदी, बीकानेर, रतनगढ़, और चूरू होते हुए काठगोदाम जाएगी। साबरमती एक्सप्रेस और रूणिचा स्पेशल ट्रेनें भी प्रभावित हुई हैं। टोंक में भी चाकल नदी के उफान पर होने से एक युवक बाइक सहित नदी की रपट पर फंस गया। युवक को करीब 11 घंटे बाद बुधवार सुबह निकाला गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 7 सितंबर तक राज्य के 31 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है, और मानसून के एक्टिव रहने की संभावना जताई है। उदयपुर में स्वरूपसागर और उदयसागर डैम के गेट खोलने के साथ ही बांसवाड़ा में माही बजाज डैम भी भर गया है।

धौलपुर के पार्वत डैम और चित्तौड़गढ़ के गंभीरी डैम के गेट भी खोले गए हैं। टोंक और बूंदी सहित कई जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे राहत कार्यों में कठिनाइयाँ आ रही हैं।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2024

स्विस कंपनियों ने रेल विद्युतीकरण, फार्मा क्षेत्र में सहयोग में रुचि दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने हाल ही में स्विटजरलैंड का दौरा कर स्विस कंपनियों को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। 26 से 28 अगस्त के बीच हुई तीन दिवसीय यात्रा में राठौड़ की कई स्विस कंपनियों के साथ उपयोगी चर्चा हुई, जिनमें कुछ इलेक्ट्रोमोबिलिटी और बायोफार्मा कंपनियां भी शामिल थीं। इन बैठकों के दौरान Furrer+Frey और ड्लहुळहरस जैसी रेल विद्युतीकरण और मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़ी कंपनियों ने राजस्थान में रेल लाइन के आसपास वाले इलाकों में कम-से-कम 20 एकड़ जमीन की मांग भी रखी, ताकि वो प्रदेश में निवेश करने पर विचार कर सकें।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया कि कई स्विस कंपनियां राजस्थान को निवेश के दृष्टिकोण से सबसे अच्छे राज्यों में से एक मानती हैं। राजस्थान कम-से-कम लागत पर व्यापार को सुगम बनाना चाहता है और भूमि तथा अन्य बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प है, ताकि व्यापार करने की सुगमता और बढ़े। राजस्थान में निवेश करने का यह बिलकुल सही समय है।

सरकार के पास कोई भी निवेश संबंधित निर्णय या फाइल लंबित नहीं रहेगी और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उद्योग जगत अपने कारोबार को यथासंभव तेज गति से विस्तारित कर सकें।

राठौड़ की यात्रा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि भारत ने इस साल मार्च में यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के देशों, जिसका स्विटजरलैंड एक प्रमुख स्तंभ है, के साथ ट्रेड एंड इकनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। अपनी यात्रा के दौरान कर्नल राठौड़ ने रेल विद्युतीकरण और मैन्यूफैक्चरिंग, बायोफार्मा, कृषि प्रसंस्करण, माल परिवहन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित कई अन्य कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात की। यात्रा के दौरान उन्होंने मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में दवाइयां बनाने वाली फार्मा कंपनी फेरिंग फार्मास्युटिकल्स की एक इकाई का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय महिलाओं तक महत्वपूर्ण दवाओं की पहुंच पर भी चर्चा की और कंपनी को राजस्थान में अपनी यूनिट लगाने के लिए आमंत्रित किया।

कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मीटिंग के दौरान स्विस कंपनियों ने निवेश योजनाओं को सुविधाजनक बनाने हेतु प्रोडक्ट स्पेसिफिक डेडिकेटेड इंडस्ट्रियल ज़ोन्स और सिंगल पॉइंट ऑफ़ कांटेक्ट (पीओसी) के रूप में विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की मांग की। सरकार इन मांगों को पूरा करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है।

भारत ने इस वर्ष मार्च में ईएफटीए देशों के साथ ट्रेड एंड इकनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर किया है। टीईपीए पर हस्ताक्षर करने के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि एफटीए के इतिहास में पहली बार अगले 15 वर्षों में 100 बिलियन डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की बाध्यकारी प्रतिबद्धता का उल्लेख इस समझौते में किया गया है।

कर्नल राठौड़ की स्विटजरलैंड यात्रा को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए, क्योंकि भारत में 100 बिलियन डॉलर के निवेश की ईएफटीए की बाध्यकारी प्रतिबद्धता के मद्देनजर, यह यात्रा न केवल राजस्थान में बल्कि भारत के कई राज्यों में स्विस कंपनियों द्वारा आगामी निवेश के लिए खाका तैयार करने की क्षमता रखती है।

गौरतलब है कि 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2024 9, 10 और 11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार इसकी जोर-शोर से तैयारी कर रही है। इसके मद्देनजर, पिछले महीने आयोजित मुंबई इन्वेस्टर्स मीट में कई कंपनियों राजस्थान सरकार के साथ 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर किया था।

खेत की बाड़ में करंट आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में बुधवार सुबह खेत की बाड़ में करंट आने से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। कुचेरा के थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि घटना ईग्यार गांव की है और मरने वाले तीन लोग एक ही परिवार के हैं। उन्होंने बताया कि खेत मालिक ने पशुओं को रोकने के लिए इस लोहे की बाड़ को बिजली के तार से जोड़ रखा था तथा बाइक सवार तीनों लोग इसकी चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान हरेंद्र मेघवाल (32), उसकी पत्नी सीमा (25) मेघवाल और मां कंवराई (50) के तौर पर हुई है।

उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिये कुचेरा के सरकारी अस्पताल भेजा गया है। मुआवजे और बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही की जांच की मांग को लेकर स्थानीय ग्रामीण और परिजन अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर धरने पर बैठ गए। थानाधिकारी ने बताया कि प्रशासन और पुलिस के अधिकारी परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे है।

वहीं, नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है। बेनीवाल ने 'एक्स' पर लिखा, 'राज्य सरकार मृतकों के आश्रितों को अविलंब आर्थिक सहायता प्रदान करें। मैंने डिस्कॉम (बिजली वितरण कंपनी) के अधिकारियों को हादसे की जांच करने के लिए भी निर्देशित किया।

रिश्वत लेते हुए पुलिस कांस्टेबल गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने जयपुर में एक पुलिस कांस्टेबल को कथित तौर पर पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़कर गिरफ्तारकर लिया। ब्यूरो के बयान के अनुसार, मुहाना थाने के कांस्टेबल वीपी सिंह को मंगलवार देर रात शिकायतकर्ता से रिश्वत राशि लेते पकड़ा गया। शिकायतकर्ता के अनुसार उसके खिलाफ दर्ज मामले में समझौता कराने और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने की एवज में आरोपी कांस्टेबल वीपी सिंह पांच हजार रुपये रिश्वत के तौर पर मांग कर उसे परेशान कर रहा था। शिकायत का सत्यापन कर मंगलवार देर रात कार्रवाई करते हुए आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया गया।

पशु परिचरों की नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशु परिचरों की भर्ती के लिए पशुपालन और गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने पाठ्यक्रम को अपनी मंजूरी प्रदान कर भर्ती प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज सहित पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ इस संबंध में बैठक की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित इस भर्ती प्रक्रिया के कारण पशुपालकों को परेशानी का सामना करना पड रहा है साथ ही पशु चिकित्सा उपकेंद्रों पर भी मानव श्रम की कमी से पशुओं की चिकित्सा में मुश्किल आती है। पशु परिचरों की भर्ती से पशुपालक लाभान्वित होंगे तथा क्षेत्रवासियों को सुविधा मिल सकेगी।

उल्लेखनीय है कि पशु परिचर के लगभग 6000 पदों के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब इसकी प्रवेश परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम निर्धारण होना था जिसे आज पशुपालन मंत्री ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी। बैठक में विकास सीताराम भाले प्रमुख शासन सचिव, पशुपालन विभाग, डॉ भवानी सिंह राठौड़ निदेशक, पशुपालन विभाग, डॉ आनंद सेजरा मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड, श्रीमती शालिनी शर्मा निदेशक, गोपालन विभाग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सिक्किम के राज्यपाल माथुर ने अपनी कार्यशैली से भाजपा कार्यकर्ताओं पर अमिट छाप छोड़ी है : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने अपनी कार्यशैली से भाजपा कार्यकर्ताओं में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि माथुर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक-एक कार्यकर्ता को आगे बढ़ाने और काम देकर राजनीति में मजबूत करने का काम किया है। शर्माने ने राजस्थान के वरिष्ठ नेता माथुर को सम्मानित करते हुए कहा, माथुर ने जीवन भर संस्कृति और विचारधारा के लिए काम किया है, कार्यकर्ता के रूप में काम करते हुए उन्होंने ऊंचाइयों को छुआ है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि माथुर ने छोटे से गांव में जन्म लिया और निरंतर परिश्रम करते हुए दृढ़ता के साथ एक अनुशासित सिपाही की तरह काम किया। उन्होंने कहा कि माथुर ने अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी सहित कई वरिष्ठ नेताओं के साथ काम किया है।

उन्होंने कहा, आज वे देश के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी माथुर की प्रशंसा की और कहा कि ओमप्रकाश माथुर प्रदेश के कार्यकर्ताओं से जुड़े हुए नेता हैं। उन्होंने पैर जमीन पर रखते हुए सदैव अपने साथ कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति से संपर्क रखा है। राजे ने कहा, ओम माथुर चाहे कितने भी ऊंचे स्थान पर क्यों न पहुंच जाएं, वे हमेशा जमीन से जुड़े रहते हैं, यही वजह है कि उनकी इतनी प्रशंसा की जाती है।

राजे ने माथुर को राज्यपाल नियुक्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष के दावों के बावजूद, राज्यपाल केवल रबर स्टैंप नहीं बल्कि एक प्रभावशाली व्यक्ति होता है। उन्होंने माथुर की तुलना मखमली दस्ताने में लोहे की मुट्ठी से की।

माथुर ने कार्यक्रम में अपने जीवन के अनुभव भी साझा किए और सिक्किम के राज्यपाल के रूप में अपने काम के बारे में बताया। राज्यपाल बनने के बाद राजस्थान की पहली यात्रा पर जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा के साथ-साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

पीतल की लौंग मिलने पर खुद को सर्राफ समझने लगते हैं कुछ लोग: राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मंगलवार को बिना किसी का नाम लिए कटाक्ष किया कि कुछ लोग पीतल की लौंग मिलने पर भी खुद को सर्राफ समझने लगते हैं। राजे ने कहा,चाहत बेशक आसमां छूने की रखो,लेकिन पांव हमेशा जमीं पर रखो। राजे यहां बिड़ला सभागार में सिक्किम के नवनियुक्त राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर के नागरिक अभिनन्दन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। माथुर की प्रशंसा करते हुए राजे ने कहा, ओम माथुर चाहे कितनी ही बुलंदियों पर पहुंचें, इनके पैर सदा

जमीन पर रहें हैं। इसीलिए इनके चाहने वाले भी असंख्य हैं। वरना कई लोगों को पीतल की लौंग क्या मिल जाती है,वह अपने आप को सर्राफ समझ बैठते हैं।

उन्होंने कहा कि माथुर से ऐसे लोगों को सीख लेना चाहिये कि चाहत बेशक आसमां छूने की रखो,पर पांव हमेशा जमीं पर रखो। पूर्व मुख्यमंत्री ने माथुर को सिक्किम का राज्यपाल बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मौजूद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने माथुर के साथ बिताए यादगार पलों को साझा करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिक्किम के राज्यपाल के रूप में माथुर अपने संवैधानिक दायित्वों का बखूबी निर्वहन करते हुए जनसेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी व डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी भी मौजूद थे।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर होंगे जनस्वास्थ्य की प्रमुख धुरी : शुभ्रा सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आयुष्मान भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर इस दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि गांव-ढाणी तक प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने में आयुष्मान आरोग्य मंदिर जनस्वास्थ्य की प्रमुख धुरी के रूप में काम करेंगे।

श्रीमती सिंह बुधवार को जोधपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की चतुर्थ रीजनल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थी। सात राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के लिए इस कांफ्रेंस की मेजबानी एनएचएम, राजस्थान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक कॉम्प्रीहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर, क्वालिटी एण्ड पेशेंट सेफ्टी, इण्डियन पब्लिक हैल्थ स्टैण्डर्ड, कम्यूनिटी प्रोसेसेज, मानव संसाधन, निःशुल्क दवा आपूर्ति एवं स्वास्थ्य के आधारभूत ढांचे का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कदम उठा रही है। इस वित्तीय वर्ष में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 8.26 प्रतिशत बजट आवंटन किया गया है, जो अब तक का सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि एनएचएम स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा एक महत्वाकांक्षी फ्लैगशिप कार्यक्रम है। इससे देशभर में निचले स्तर तक चिकित्सा तंत्र मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि आईएचएमएस एवं आभा आईडी जैसे तकनीकी कार्यक्रम स्वास्थ्य के क्षेत्र में गेम चेंजर साबित होंगे। श्रीमती सिंह ने एनएचएम की शुरूआत के समय के अपने अनुभवों को भी साझा किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक एनएचएम श्रीमती आराधना पटनायक ने कहा कि आगामी दो वर्षों में देशभर में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए 1 लाख 73 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को क्रियाशील किया जाएगा। यहां 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

इसके लिए सीएचओ एवं अन्य स्वास्थ्य कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत गांव-ढाणी तक चिकित्सा के आधारभूत ढांचे को चरणबद्ध रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

अतिरिक्त सचिव ने कहा कि ग्रामीण स्तर तक आमजन को बेहतर सेवाएं देने के लिए हमें हैल्थ फैसेलिटी की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही, दवाओं के आपूर्ति तंत्र को भी और सुगम बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों पर संपादित होने वाली गतिविधियों को और सरल करने के लिए विभिन्न पोर्टल्स को इंटीग्रेटेड रूप में संचालित किया जाएगा। उन्होंने राज्यों से अपेक्षा की कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का निचले स्तर तक पूरा लाभ पहुंचाने के लिए हर स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा की जाए।

राष्ट्र के भविष्य के पथ प्रदर्शक बने शिक्षक : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिक्षक दिवस पर प्रदेश के शिक्षकों का आह्वान किया है कि वे तनाव मुक्त, नशा मुक्त और नारी के प्रति सम्मान के संस्कारों को सिखाने के साथ युवा पीढी को आदर्श जीवन जीने की राह दिखाने वाले पथ प्रदर्शक बनें। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में युवाओं में श्रेष्ठ नागरिक के गुणों के भाव बचपन से ही पैदा करने होंगे, ताकि युवा पीढी अच्छे-बुरे और सही-गलत का अर्थ समझ सके और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए तैयार हो सके।

स्पीकर देवनानी ने शिक्षक दिवस पर प्रदेश के शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि शिक्षा मानव जीवन के लिए आवश्यक है और विकास का मूल आधार भी शिक्षा है। ऐसी स्थिति में शिक्षकों का दायित्व राष्ट्र के प्रति और अधिक बढ जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर मनाये जाने वाला शिक्षक दिवस शिक्षक, व्द्यिार्थियों और सम्पूर्ण समाज के लिए महत्वपूर्ण है। यह दिवस प्रत्येक व्यक्ति द्वारा शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का भी दिवस है। देवनानी ने शिक्षकों से अनुरोध किया कि वे देश के भविष्य युवा पीढी के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण कर उनके पथ प्रदर्शक बने। विद्यार्थियों के उचित मार्ग दर्शन से ही उनका भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सकता है। भारतीय संस्कृति में शिक्षक और शिक्षक दिवस का विशेष महत्व है। हमारी संस्कृति में गुरुजन को हमेशा से भगवान और माता-पिता के तुल्य स्थान दिया जाता है। भारत की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिये युवाओं में राष्ट्र प्रथम की भावना का विकास करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर के लोगों की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल रहे हैं : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर मणिपुर के लोगों की सुरक्षा करने में ''पूरी तरह विफल'' रहने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में अशांति भारत के लोगों के साथ उनके ''विश्वासघात'' की लंबी सूची में एक और कड़ी है।

खरगे ने आरोप लगाया कि मणिपुर में हिंसा को 16 महीने हो गए हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' सरकार ने समस्या का समाधान करने के लिए कुछ नहीं किया। यहां 'डबल इंजन' से आशय केंद्र और राज्य, दोनों में भाजपा की सरकार से है। उन्होंने दावा किया कि ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है जिससे सभी समुदायों के लोगों में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए विश्वास पैदा हो सके। खरगे ने कहा, ''आपने मणिपुर के मुख्यमंत्री (एन बीरेन सिंह) को अब तक बर्खास्त क्यों नहीं किया? क्या वह राज्य तंत्र को लगभग पंगु बनाने और घृणित बयान देने के लिए दोषी नहीं हैं, जो अब सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है? अवांछनीय परिस्थिति से बचने के लिए बड़ी बेशर्मी के साथ इस्तीफा देने का नाटक किया गया।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मोदी जी, आप इतने निर्दयी क्यों हो गए हैं? आपने राज्य में जाने की जहमत क्यों नहीं उठाई? आपके अहंकार के कारण ही सभी समुदायों के लोग पीड़ित हैं। आपकी सरकार की अक्षमता और बेशर्मी के कारण बुनियादी शांति प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पाई है।'' उन्होंने कहा कि इंफाल पश्चिम जिले में ड्रोन हमलों के जरिए बमबारी की गई है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ''सोए हुए प्रतीत होते हैं''।

पंजाब की महिला से बलात्कार और धर्मांतरण की कोशिश का आरोपी गिरफ्तार

बदायूं (उप्र)/भाषा। बदयूं पुलिस ने 29 वर्षीय शख्स को पंजाब की एक महिला से बलात्कार करने और अपनी पहचान छुपाकर उसका धर्मांतरण कराने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, 26 वर्षीय महिला पंजाब के फरीदकोट की रहने वाली है और चंडीगढ़ के एक कॉल सेंटर में काम करती है। उसने बिसौली कोतवाली पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसका बलात्कार किया गया और उसका धर्मांतरण कराने की कोशिश की गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि 29 वर्षीय व्यक्ति को बलात्कार और धर्म परिवर्तन विरोधी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी असली पहचान छुपाकर महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने बताया कि आरोपी की मां और पिता को भी शिकायतकर्ता को धर्म बदलने के लिए मजबूर करने के प्रयास में सहायता करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार को दर्ज कराई गई शिकायत में दावा किया गया है कि आरोपी ने उसे प्रेम जाल में फंसा कर उसके साथ बलात्कार किया और उसका धर्मांतरण कराने की कोशिश की। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, महिला ने दावा किया कि उनके रिश्ते से उनकी बेटी है, लेकिन आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया और आखिरकार उसे पता चला कि वह हिंदू नहीं बल्कि मुस्लिम है।

प्रशासनिक भवन की पांचवीं मंजिल से गिरकर आईआईटी-भुवनेश्वर की छात्रा की मौत

भुवनेश्वर/भाषा। आईआईटी भुवनेश्वर में अध्ययनरत एक छात्रा की प्रशासनिक भवन की पांचवीं मंजिल से कथित तौर पर गिरकर मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने मंगलवार रात 23 वर्षीय युवती का शव संस्थान परिसर से बरामद किया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''हमें संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला है।'' मृतका की पहचान दिल्ली निवासी कृतिका राज के रूप में हुई है और वह बी.टेक तृतीय वर्ष की छात्रा थी।

संस्थान ने एक बयान में कहा कि कल रात लगभग 11 बजे एक छात्रा प्रशासनिक भवन की पांचवीं मंजिल से नीचे गिर गई, वहां पुस्तकालय है। बयान में कहा गया है, ''सुरक्षाकर्मियों ने प्रशासन को सूचित किया और उसे संस्थान के चिकित्सा केंद्र में ले गए। चिकित्सकों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को तुरंत सूचित किया गया और मामले की जांच की जा रही है।''

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए खुर्दा जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस दल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। संस्थान के सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने छात्रा के परिवार वालों को सूचित कर दिया है। उन्होंने बताया कि छात्रा 10 दिन पहले अपने घर आई थी और वापस आने के बाद से वह काफी गुमसुम थी।

माफियाओं के आगे नाक रगड़ने वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर परोक्षा रूप से निशाना साधते हुए कहा कि माफियाओं और दंगाइयों के सामने 'नाक रगड़न वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे।

यहां फूलपुर के इफको परिसर में आयोजित रोजगार मेले में मुख्यमंत्री ने कहा, ये जो बड़ी बड़ी घोषणाएं कर रहे हैं, ये वही लोग हैं जो कभी माफियाओं और दंगाइयों के आगे नाक रगड़ा करते थे। अरे बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत चाहिए। ये दंगाइयों और माफियाओं के सामने नाक रगड़ने वाले बुलडोजर क्या चलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, जाति के नाम पर लड़ाने वाले ये वही लोग हैं जो टीपू और सुल्तान बनने का ख्वाब फिर से देख रहे हैं। ये वही टीपू थे जिन्होंने माफिया के सामने नाक रगड़कर उत्तर प्रदेश की पहचान का संकट खड़ा किया। आदित्यनाथ ने प्रयागराज में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से विधायक रहे राजू पाल की हत्या का जिक्र करते हुए कहा, इन्होंने माफियाओं को गले का हार बनाकर प्रदेश और प्रयागराज वासियों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। इन्हीं माफियाओं ने विधायक राजू पाल की हत्या की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजू पाल की हत्या के समय इन्हें 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक) याद नहीं आया था क्योंकि इन्हें अपनी कुर्सी की चिंता थी, लेकिन हमने कहा था कि माफिया अगर सिर उठाने का दुस्साहस करेगा तो हम उसे मिट्टी में मिला देंगे। 'पीडीए' सपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का नारा है। आदित्यनाथ ने जनता से अपील की कि वे ऐसी गलती ना करें जिससे उत्तर प्रदेश के लिए फिर पहचान का संकट खड़ा हो। प्रदेश की जिन 10 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें प्रयागराज की फूलपुर सीट भी शामिल है। इस सीट से भाजपा के विधायक रहे प्रवीण पटेल लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हो गए हैं, जिससे यह सीट खाली हुई है।

पटनायक ने ओडिशा की महिलाओं से भाजपा के 'झूठ' को सामने लाने का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा की महिलाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे भाजपा के 'झूठ' को सबके सामने लेकर आएं। पटनायक ने बल दिया कि उनकी पार्टी महिलाओं महत्वपूर्ण भूमिका देने और पार्टी में महिला सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पटनायक ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय शंख भवन में बीजू महिला जनता दल (बीएमजेडी) की बैठक के समापन सत्र के दौरान ये टिप्पणियां कीं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''झूठ भाजपा की सबसे बड़ी पहचान है।'' पटनायक ने कहा कि भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में दो साल के भीतर सुभद्रा योजना के तहत राज्य की प्रत्येक महिला को 50,000 रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की थी, लेकिन अब सरकार ने इसे पांच साल में देने की बात कही है। उन्होंने कहा, ''वह भी महिलाओं को हर छह माह में 5,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा के चुनाव पूर्व उस वादे का भी जिक्र किया जिसमें उसने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा, ''चुनाव के दौरान भाजपा नेता ओडिशा आए और बड़ी-बड़ी घोषणाएं कीं, लेकिन वास्तव में लोगों को कुछ नहीं मिला। भाजपा को महिलाओं और जनता के भरोसे को तोड़ना नहीं चाहिए।

मणिपुर के जिरीबाम जिले में आगजनी, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के मकान में आग लगायी

इंफाल/भाषा। मणिपुर के जिरीबाम जिले में बुधवार सुबह फिर से आगजनी की घटना हुई जब संदिग्ध 'आदिवासी ग्राम स्वयंसेवकों' ने एक मकान में आग लगा दी। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि जिले के जाकुरधोर में तीन कमरों वाला मकान एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी का था। पुलिस ने बताया कि जिले में पिछली हिंसा के बाद परिवार ने यह मकान खाली कर दिया था।

पुलिस ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए तड़के करीब साढ़े तीन बजे मकान पर हमला किया और उसे जला दिया। यह मकान जिरीबाम जिला मुख्यालय से 28 किलोमीटर दूर और हमार बहुल फेरजावल जिले के पास स्थित है।

असम के कछार जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के केंद्र में एक अगस्त को आयोजित बैठक के दौरान सामान्य स्थिति बहाल करने और आगे की आगजनी को रोकने के लिए मेइती और हमार समुदायों के प्रतिनिधियों के बीच समझौता होने के बावजूद यह घटना हुई है। जिरीबाम जिला प्रशासन, असम राइफल्स और सीआरपीएफ अधिकारियों की मध्यस्थता से हुई इस बैठक में हमार, मेइती, थाडौ, पैते और मिजो समुदायों के प्रतिनिधि शामिल थे।

कोविड-19 के दौरान लगाये गये 'दोषपूर्ण' टीके के चलते अब भी लोगों की मौत हो रही है : हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को आरोप लगाया कि महामारी के दौरान लगाए गए 'दोषपूर्ण' कोविड-19 टीके की खुराक के कारण लोग अब भी मर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वैसे तो एक विशेष टीके को वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित कर दिया गया था, फिर भी भारत में उसकी आपूर्ति की जा रही थी और जनता को दिया जा रहा था।

सोरेन की टिप्पणी हाल में राज्य में आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान में शारीरिक परीक्षण के दौरान 12 लोगों की हुई मौतों के बाद आई है। सोमवार को सरकार ने इस मौजूदा नौकरी अभियान को तीन दिनों के लिए रोक दिया था।

सोरेन ने कहा, ''दुर्भाग्य से, भर्ती अभियान के दौरान कुछ उम्मीदवारों की मौत हो गई। मौतें केवल दौड़ने से नहीं हो रही हैं, लोग चलते समय भी मर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भाजपा सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान इस देश के लोगों को दिये गये टीके की खुराक दोषपूर्ण थी और इसका वैश्विक प्रभाव पड़ा है।''

इससे पहले, प्रदेश भाजपा ने अभ्यर्थियों की मौत के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के 'कुप्रबंधन' को जिम्मेदार ठहराया था।

एक सरकारी कार्यक्रम में हेमंत सोरेन ने 'झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना' के तहत महिला लाभार्थियों के खातों में 1,000 रुपये की पहली किस्त भेजी।

छह जिलों में 7.04 लाख लाभार्थियों को कुल 70.50 करोड़ रुपये वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उसपर उनकी सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का नाम लिए बगैर उनपर सांप्रदायिक तनाव फैलाने का आरोप लगाया।

बिहार: सारण में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान टीन शेड गिरने से 12 लोग घायल

छपरा/भाषा। बिहार में सारण जिले के इसुआपुर थाना क्षेत्र में महावीरी झंडा मेले में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान टीन शेड के अचानक गिरने से एक दर्जन लोग घायल हो गए।

सारण पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इसुआपुर थाना अंतर्गत मंगलवार को लाल बाबा मठिया के पास टीन के शेड पर चढ़कर कुछ लोग सांस्कृतिक कार्यक्रम देख रहे थे, तभी अधिक भार होने के कारण टीन शेड एक तरफ से मुड़ गया जिससे उसपर चढ़े व्यक्ति नीचे गिर गए। बयान के मुताबिक, घटना में 12 लोगों को हल्की छोटे आई हैं और सभी को प्राथमिक उपचार दिया गया है। बयान में कहा गया है कि महावीरी मेले के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस कर्मियों की मौजूदगी के बावजूद यह घटना हुई है। उसमें कहा गया है कि मढौरा अनुमंडल पदाधिकारी और मशरख अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है। बयान में कहा गया है कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी । पुलिस ने लोगों से इस घटना को लेकर अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति और व्यवस्था बनाए रखने में जिला प्रशासन की मदद करने की अपील की है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के वकीलों ने मानव श्रृंखला बनाकर चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय और बैंकशाल न्यायालय के विभिन्न वकीलों ने बुधवार को यहां मानव श्रृंखला बनाकर युवा चिकित्सक के लिए न्याय की मांग की, जिसकी पिछले महीने सरकार आर. जी. कर अस्पताल में कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। उन्होंने अदालत की इमारत के बाहर तख्तियां हाथों में लिए नारेबाजी की। बैंकशाल न्यायालय के वकीलों ने मानव श्रृंखला बनाकर रैली में भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि नौ अगस्त को शहर के सरकारी आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार कक्ष में युवा चिकित्सक का शव मिला था। इस घटना से देश भर में आक्रोश फैला हुआ है। प्रशिक्षु चिकित्सक का शव मिलने के तुरंत बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अस्पताल में कथित वित्तीय अनियमितताओं के लिए आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष को भी गिरफ्तार किया है।

पश्चिम बंगाल: कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले में भाजपा और कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के एक अस्पताल में पिछले महीने एक महिला चिकित्सक से कथित बलात्कार और हत्या से संबंधित मामले में बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार के कार्यालयों के घेराव के दौरान पांसकुड़ा और ओंडा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हुई। वहीं, कांग्रेस ने भी इस मामले पर विरोध प्रदर्शन करते हुए जांच में तेजी लाने की मांग की।

ऐसी घटनाओं को रोकने में विफलता के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए, भाजपा कार्यकर्ताओं ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पांसकुड़ा और बांकुड़ा जिले के ओंडा में नारेबाजी की और टायर जलाए। एक अधिकारी ने बताया कि पांसकुड़ा व ओंडा में जिला प्रशासन कार्यालयों के घेराव के दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस कर्मियों के बीच झड़प हो गई, लेकिन स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकारी तंत्र असली दोषियों को बचा रहा है और जांच से ध्यान भटका रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने दक्षिण दिनाजपुर के बालुरघाट में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के घेराव का नेतृत्व किया और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई। इस बीच, भाजपा समर्थकों ने स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के लिए न्याय की मांग करते हुए तख्तियां लेकर मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड चौराहे पर धरना जारी रखा।

जद(यू) नेता केसी त्यागी ने बलात्कारियों को नपुंसक बनाने का सुझाव दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोलकाता में एक चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की घटना के बाद महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न को लेकर देश में छिड़ी तीखी बहस के बीच जनता दल (यूनाइटेड) के नेता के. सी. त्यागी ने बलात्कारियों को सजा के तौर पर नपुंसक बनाने का बुधवार को सुझाव दिया। उन्होंने बलात्कार के मामलों में एक महीने के भीतर त्वरित न्याय का भी आह्वान किया।

त्यागी ने 'पीटीआई' संपादकों के साथ बातचीत में कहा, ''ये लोग पुरुष ही न बचें ऐसी सजा होनी चाहिए। बलात्कारियों का पौरुष खत्म कर देना चाहिए।'' पश्चिम बंगाल में हुए इस जघन्य अपराध और उसके बाद देशभर में हुए आक्रोश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि एक समाजवादी के रूप में उनका मानना है कि महिलाओं की इच्छा के विरुद्ध कार्य करने से बड़ा कोई अत्याचार नहीं हो सकता। त्यागी ने कहा कि बलात्कार के दोषी को ऐसी कठोर सजा देने से यह सुनिश्चित होगा कि उसे अपने अपराध के लिए अपनी अंतिम सांस तक कष्ट सहना पड़ेगा और कोई भी ऐसा अपराध करने की

शरत कमल की निकट भविष्य में संन्यास की योजना नहीं, टूर पर एक और सत्र खेलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल के पांचवें ओलंपिक में हिस्सा लेने के बाद संन्यास की योजना बनाने की उम्मीद थी लेकिन 42 साल के इस खिलाड़ी ने बुधवार को पेशेवर टूर पर एक और सत्र में खेलने की प्रतिबद्धता जाहिर की।

शरत को बुधवार को एशियाई चैम्पियनशिप की पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया जो अगले महीने अस्ताना में खेली जायेगी। पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक शरत ने कहा कि वह सात अक्टूबर से शुरू होने वाले एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी हिस्सा लेंगे। भारत की सर्वश्रेष्ठ 37 रैंकिंग हासिल करने वाले शरत दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने का लक्ष्य भी बनाये हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, ''अगले नौ महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। लेकिन साथ ही मैं आईओसी और आईटीटीएफ में विकल्प की तलाश करूंगा। अपने देश में टीटीएफआई के साथ एक ढांचा बनाने में मदद करने की कोशिश करूंगा ताकि साई और टीटीएफआई के बीच अंतर कम हो सके और खेल में ज्यादा से ज्यादा कोरपोरेट प्रायोजक आयें। ''

शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में एथलीट संस्था का भी हिस्सा हैं और निकट भविष्य में वह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का लक्ष्य बनाये हैं। उन्होंने 2028 ओलंपिक में हिस्सा लेने की बात खारिज की लेकिन उनके 2026 एशियाई खेलों में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''मैं अगले साल एशियाई खेलों पर फैसला लेना चाहूंगा। ओलंपिक के बाद मेरी फिटनेस ठीक है। मुझे समय भी मिला और चेन्नई में यूटीटी (अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग) है। मैं व्यक्तिगत जिंदगी में भी संतुलन बना रहा हूं। ''

भाजपा की विभाजनकारी राजनीति के जवाब में हमने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया : फारुक अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/डूरू/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी ने भाजपा की ''सांप्रदायिक और विभाजनकारी राजनीति'' से मुकाबला करने के लिए जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने दक्षिण कश्मीर की डूरू सीट से कांग्रेस उम्मीदवार जी ए मीर के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस दौरान मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी मौजूद थे।

अब्दुल्ला ने कहा, ''वे (भाजपा) लोगों को धर्म के नाम पर बांट रहे हैं। इसलिए हमने यह गठबंधन किया है। हम सम्मानजनक जिंदगी चाहते हैं। इसलिए हम सभी को एक साथ आना होगा।'' उन्होंने नेकां के मतदाताओं से गठबंधन के उम्मीदवार मीर को वोट देने का आग्रह किया। फारुक ने कहा, ''आपको कांग्रेस या नेकां को देखने की जरूरत नहीं है। आपको इन विभाजनकारी ताकतों से लड़ने के लिए एक साथ हाथ आना होगा।'' इससे पहले, डूरू रैली में भाग लेने के लिए अपने आवास से निकलते समय श्रीनगर में अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन कोई मजबूरी नहीं है, बल्कि जम्मू-कश्मीर के विकास और केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए समय की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी का केंद्र शासित प्रदेश का दौरा उन लोगों के मुंह पर तमाचा है जो जम्मू-कश्मीर के मुख्यधारा के नेताओं को पाकिस्तानी या खालिस्तानी कहते हैं। रैली को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बेहद कठिन दौर देखा है। उन्होंने कहा, ''एक बात याद रखें, इन 10 वर्षों में जो मुश्किल हालात रहे हैं उसके बावजूद हम जिंदा है यह खुशी की बात है। उन्होंने हमारा जीना दुश्वार कर दिया। सभी अधिकारी बाहर से हैं। वे इस जगह के बारे में क्या जानते हैं। हमें इन लुटेरों से खुद को बचाने की जरूरत है।''

सुविचार

संकट के समय में समस्याओं पर चर्चा नहीं, बल्कि समाधान को खोजने का प्रयास करें!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तथ्यों से 'छेड़छाड़' क्यों?

फिल्मों और वेब सीरीजों में तथ्यों से 'छेड़छाड़' करने का बढ़ता चलन गंभीर चिंता का विषय है। इनका समाज पर गहरा प्रभाव होता है। दर्शकों को यह जानने का पूरा अधिकार है कि उन्हें जो कुछ दिखाया जा रहा है, वह तथ्यात्मक रूप से सही हो। वेब सीरीज 'आईसी-814: द कंधार हाइजैक' में विमान के अपहर्ताओं के नाम बदलकर उन्हें जिस तरह पेश किया गया है, उससे इसके निर्माताओं की मंशा पर कई सवाल उठते हैं। ऐसी वेब सीरीज बनाने के लिए बहुत अध्ययन करना होता है, तथ्य जुटाए जाते हैं, घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से मुलाकातें की जाती हैं, जो बिंदु अत्यंत महत्त्वपूर्ण हों, उन्हें प्रमुखता से उठाया जाता है। इसके बावजूद निर्माताओं ने अपहर्ताओं को इस तरह कैसे पेश कर दिया? क्या यह अनजाने में हो गया? ऐसा नहीं हो सकता कि वेब सीरीज की पटकथा और संवाद लिख दिए जाएं और लेखक को अपहर्ताओं के असल नाम भी मालूम न हों! ऐसी फिल्मों और वेब सीरीजों के पीछे एक खास तरह की रणनीति भी होती है, जिसके तहत जानबूझकर कोई विवाद खड़ा किया जाता है, ताकि लोग उनकी ओर ध्यान दें, वे सोशल मीडिया पर चर्चित हों और उन्हें ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। हालांकि ऐसी रणनीति हमेशा काम नहीं आती। पूर्व में सोशल मीडिया पर 'बहिष्कार' की अपीलों के बाद कुछ फिल्में औंधे मुंह गिर चुकी हैं। एक अभिनेता, जिन्हें इस देश की जनता ने बहुत प्रेम और सम्मान दिया, उनकी फिल्में देख-देखकर उन्हें कामयाबी की बुलंदियों तक पहुंचा दिया, वे कुछ साल पहले यह शिकायत करने लगे थे कि भारत में 'असहिष्णुता' बहुत बढ़ गई है! यह अलग बात है कि वे एक फिल्म में देवी-देवताओं का बहुत मजाक उड़ाते दिखाई दिए थे।

आईसी-814 पर माकपा नेत्री सुभाषिनी अली का यह कहना भी अतिशयोक्तिपूर्ण है कि 'इससे ... को डर है कि युवाओं को वाजपेयी सरकार द्वारा आतंकियों को छोड़े जाने का पता चल जाएगा!' इसमें डर की क्या बात है? उस घटना के बारे में काफी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है। हां, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने दुर्दांत आतंकवादी मसूद अजहर, उमर शेख और मुश्ताक अहमद जरगर को रिहा किया था, क्योंकि उस समय आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाए गए अपने नागरिकों की जान बचाना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता थी। अगर सरकार इसी बात पर अड़ी रहती कि 'आतंकवादियों की एक भी मांग नहीं मानेंगे' तो क्या होता? उससे उन बंधकों की जान जा सकती थी। आतंकवादी उन पर बंदूकें तानें खड़े थे। अगर सरकार किसी भी आतंकवादी को नहीं छोड़ती और उधर आतंकवादी उन यात्रियों पर गोलियां बरसाना शुरू कर देते तो ये ही 'बुद्धिजीवी' तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी को दोष देते कि आपने मामले को गंभीरता से नहीं लिया, आपको लोगों की जान की परवाह ही नहीं है ...! उन आतंकवादियों को छोड़ने के फैसले की यह कहकर भी आलोचना की जाती है कि इससे जैश-ए-मोहम्मद का जन्म हुआ, आतंकवादियों के हौसले बढ़े। यह आलोचना पूरी तरह गलत भी नहीं है। कुछ लोग उत्साह में यह भी कह देते हैं कि 'ऐसे खूंखार आतंकवादियों को जेलों में रखा ही क्यों, उनका पहले ही एनकाउंटर क्यों नहीं कर दिया, सरकार ने उन्हें छोड़ा ही क्यों था'! अगर हर खूंखार आतंकवादी का खात्मा एनकाउंटर में हो जाए, तो भी कई लोग पूरी तरह संतुष्ट नहीं होंगे। वे सवाल करेंगे- क्या यही एक तरीका था? क्या उसे जिंदा नहीं पकड़ सकते थे? कहीं सच को छिपाने की कोशिश तो नहीं हो रही है? सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक तक का सबूत मांगने वाले लोग उस आतंकवादी के एनकाउंटर का भी सबूत मांगेंगे और कुछ तो उसके 'अधिकारों की रक्षा' का मुद्दा उठाकर न्यायालय का दरवाजा भी खटखटा देंगे। भले ही आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा हो या न हो! जिन्हें किसी मुद्दे पर विवेक एवं बुद्धिपूर्वक विचार करने के बजाय कोरा विरोध ही करना आता है, वे हर फैसले का विरोध ही करते रहेंगे। उन्हें इसकी स्वतंत्रता है। विवेकशील लोगों को तथ्यों की सही जानकारी लेनी चाहिए और किसी भी अतिशयोक्तिपूर्ण प्रचार एवं विचार से सावधान रहना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

अब कश्मीर को भारत से अलग बताने वाले भी अभूतपूर्व विकास देखकर चुप पड़ जाते हैं। यही कश्मीर में बदलाव की बयार है। आज जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले के बुद्धल में भाजपा प्रत्याशी चौधरी ज़ुल्फ़िकार जी के पक्ष में रैली की।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

पेरिस पैरालिंपिक- 2024 में पुरुषों की शॉट पुट एफ 46 प्रतिस्पर्धा में भारतीय पैरा एथलीट सचिन सरजेराव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीत कर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। सचिन को इस बेहतरीन उपलब्धि के लिए अनंत शुभकामनाएं!

-दीया कुमारी

मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के पूज्य पिताजी श्री पूनम चंद यादव जी का निधन अत्यंत दुःखद है। प्रभु श्री राम जी दिवंगत आत्मा को अपने परम धाम में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

शिक्षा की सार्थकता

विनोबा भावे एक बार एक गांव में घूम रहे थे। वहां उन्होंने देखा कि एक किसान अपने खेत में काम कर रहा था, जबकि उसका बेटा पेड़ के नीचे आराम फरमा रहा था। विनोबा जी ने उस युवक से पूछा, 'बेटा, तुम अपने पिता की मदद क्यों नहीं कर रहे हो?' युवक ने उत्तर दिया, 'बाबा, मैं पढ़ा-लिखा हूं। मैंने कॉलेज की डिग्री हासिल की है। मैं इस काम को कैसे कर सकता हूं?' विनोबा जी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अच्छा, तो तुम शिक्षित हो। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि इस पेड़ की जड़ें कहां हैं?' युवक ने कहा, 'बाबा, जड़ें तो जमीन के अंदर होती हैं।' 'और इसकी शाखाएं?' युवक ने उत्तर दिया, 'वे तो ऊपर आकाश की ओर फैली हुई हैं।' विनोबा जी ने कहा, 'बेटा, तुम्हारी शिक्षा अधूरी है। असली ज्ञान वह है जो हमें जमीन से जोड़े और साथ ही आकाश की ओर ले जाए। जैसे यह पेड़ अपनी जड़ों से धरती से जुड़ा है और शाखाओं से आकाश को छूता है, वैसे ही हमें भी होना चाहिए। अपने माता-पिता और समाज की सेवा करते हुए हमें अपने ज्ञान और कौशल का विकास करना चाहिए।' युवक को अपनी गलती का अहसास हुआ।

सामयिक

भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है। यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं?

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को संकटों में भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण एवं शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने के लिए तमाम सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सफलता के सशक्त माध्यम शिक्षक ही है। भारत के राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, चिन्तक, शिक्षाशास्त्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 5 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 घोषित की गयी, इसको लेकर देश में शिक्षा एवं शिक्षक पर व्यापक चर्चा आरंभ हो गई है। भारत की नई शिक्षा नीति में शिक्षा व्यवस्था के अलावा शिक्षकों की योग्यता एवं गुरुता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे देश में एक जैसे शिक्षक और एक जैसी शिक्षा' पॉलिसी पर काम किया जा रहा है। इसके लिये अपेक्षित है कि केवल शिक्षा क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति का शंखनाद हो। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की बहुत बड़ी शक्ति होती है- शिक्षक वर्ग इस वर्ग के कंधों पर राष्ट्र के भविष्य-निर्माण यानी नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत का गुरुतर दायित्व है। यदि इस दायित्व में थोड़ी-सी भी भूल रह जाती है तो समाज के निर्माण की नींव खोखली रह सकती है।

वैदिक काल से ही भारत शैक्षणिक स्तर पर समृद्ध रहा है। इसी शिक्षा के आधार पर भारत विश्वगुरु कहलाता रहा है। गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली भारतीय परंपरा का प्रमुख अंग है। नालंदा और तक्षशिला की स्थापना तथा इसके प्रभाव से भारतीय शिक्षा व्यवस्था की समृद्ध परंपरा को जाना जा सकता है। लेकिन आजादी के बाद से हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली ब्रिटिश ढांचे पर अग्रसर हुई है, जिसके कारण शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गयी है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुव्यर्वहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसे देखकर हमारी संस्कृति की इस अमूल्य गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे है।

शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने की दिशा में नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत ठोस कार्य करें। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारा समाज एक अज्ञात भविष्य की ओर अग्रसर दिखाई देता है। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों के साथ हमारे देश को नई समस्याओं का सामना करना है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें ऐसे ज्ञान, कौशल और दक्षता की आवश्यकता होगी जो हमारी समस्या समाधान में योगदान कर सके। हजारों की संख्या में उच्च शैक्षणिक, शोध संस्थानों तथा मानव संसाधन की प्रचुरता के बावजूद भारत में अभी ज्ञान संस्कृति' का विकास और विस्तार तीव्र गति से नहीं हो पाया है। हमारी बौद्धिक संपदा का व्यावहारिक उपयोग भी नाकाफी है। आज प्रतिभा पलायन भारत की एक बड़ी समस्या है। 2011 की जनगणना के अनुसार 26 प्रतिशत से अधिक भारतीय अभी भी निरक्षर हैं जो कि बेहद डरावना आंकड़ा हैं क्योंकि एक राष्ट्र के रूप में हमारी महत्त्वकांक्षाएं इससे ज्यादा की मांग करती है।

नई शिक्षा नीति में पारंपरिक से आधुनिक शैक्षणिक प्रतिमानों में गहरा बदलाव करके पूर्ण मानवीय क्षमता को प्राप्त करने, एक समतापूर्ण समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयत्न हो रहे हैं। अब अनुभवात्मक शिक्षा और समग्र छात्र विकास की दिशा में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत हो रही है। इस समकालीन शैक्षिक परिदृश्य में, क्या सीखना है से लेकर कैसे सीखना है, इस पर जोर दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेने और समस्या-समाधान के कौशल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यह उद्यमशीलता, नवाचार और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को विकसित करने के महत्व को रेखांकित करती है। भारत अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग का गवाह बन रहा है। भारत में शिक्षा ने अब खुद को पुनर्गठित किया है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी कितनी आवश्यक है। इसी शिक्षा के कारण भारत का भाल आज भी गर्व और गौरव से उन्नत है। भारत की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है- भारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो।''

महात्मा गांधी के अनुसार सर्वांगीण विकास का तात्पर्य है- आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म-इन सबके विकास में संतुलन बना रहे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। इन्हीं सब चर्चाओं के मध्य हम देखेंगे कि 1986 की शिक्षा नीति में ऐसी क्या कमियाँ रह गई थीं जिन्हें दूर करने के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नति को लाने की आवश्यकता पड़ी। साथ ही क्या यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगी जिसका स्वप्न महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद ने देखा था? यह स्वप्न है जिसके माध्यम से मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास, व्यवहार को परिष्कृत करना तथा ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर मनुष्य को योग्य नागरिक बनाना।

शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ज्ञान का भंडार हैं जो अपने शिष्यों को अपना ज्ञान देने में विश्वास करते हैं जिससे उनके शिष्य भविष्य में दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता कर सकेंगे। इससे ऐसी पीढ़ी निर्मित होगी जो उज्ज्वल और बुद्धिमान हो तथा वह जो दुनिया को उसी तरीके से समझे जैसी यह है और जो भावनाओं से नहीं बल्कि तर्क और तथ्यों से प्रेरित हो। हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुघड़ रूप प्रदान करते हैं। हर पल उनकी शिक्षाएं प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में जीवंत रहती हैं। महान दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में -व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है। निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है। आजादी के अमृतकाल यानी पिछले 75 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं तो कई ऐसे प्रश्न हैं जो हमारी शिक्षा व्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौती हैं। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था को भारतीयता के अनुकूल बनाने की जरूरत है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के संदर्भ में एक शिक्षक की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण होती जा रही है क्योंकि उसे न केवल बच्चों का बौद्धिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक तथा शारीरिक विकास करना है बल्कि सामाजिक, चारित्रिक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास भी करना है।

नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है। यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं? प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य सा विद्या या नियुक्तये' हो गया है अर्थात विद्या वही जो नियुक्ति दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं।

नजरिया

शिक्षा के व्यापार में गुम होते आदर्श शिक्षक

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 082374 17041

सिर्फ शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम दुनिया में कोई भी सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकते है और बेहतर शिक्षा, संस्कार, कला-गुणों का संचार विद्यार्थी में आदर्श शिक्षक ही कर सकते है। जीवन में शिक्षक का स्थान माता-पिता तुल्य होता है, क्योंकि शिक्षक ही विद्यार्थियों को जीवन में योग्य मार्गदर्शन देकर सफलता के प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए काबिल बनाते है। जीवन में गुरु बिना ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता। शिक्षक गुणों की खान होते है, शिक्षक ज्ञानी, विशेषज्ञ, मृदुभाषी, दूरदृष्टि, सहनशील, उत्तम श्रोता-वक्ता, समझदार, प्रोत्साहन कर्ता, अनुसंधानकर्ता, जिज्ञासा वृत्ति, परोपकारी, सत्य, निष्ठा, त्यागी, सदाचारी, धैर्यवान, निर्व्यसनी होते है। शिक्षक अपने सभी विद्यार्थियों को एक स्तर से देखते है, कभी कोई भेदभाव नहीं करते। शिक्षक शिल्पकार की भूमिका में होते है जो अपने विद्यार्थियों को कलागुणों से निखारकर आदर्श विद्यार्थी में तब्दील करते है। हमारे देश में महान शिक्षक समाज सुधारकों के रूप में हमें मिले है।

क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले एवं उनकी पत्नी क्रांतिज्योती सावित्रीमाई फुले जिन्होंने भारत देश में सर्वप्रथम स्त्री शिक्षा की ज्योत जलाने के लिए समाज की घृणा सहन करके लड़कियों के लिए पहली स्कूल स्थापित की। ज्योतिबाजी ने अपनी पत्नी को पढ़ाकर-लिखाकर एक आदर्श शिक्षिका बनाकर एक इतिहास बनाया और फिर दोनों ने मिलकर शिक्षा के मोल को समझकर समाज में नई क्रांति की शुरुआत की। लोगों के ताने, गालियाँ, फब्तियां, तिरस्कार सहते थे, उनपर लोग पत्थर, कीचड़, गोबर फेकते थे। पूरा समाज उनके विरुद्ध होकर भी फुले दंपत्ति निस्वार्थ भाव से अपना सब कुछ त्याग कर शिक्षा की लौ जलाते रहे। एक पल के लिए अगर हम उनके संघर्ष के दिनों की कल्पना भी करे तो हमारी रूह कांप जाती है, ऐसा असहनीय दर्द भरा संघर्ष उन्होंने शिक्षित समाज की नींव रखने के लिए सहा।

धीरे-धीरे अनेक महान समाज सुधारकों ने शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संस्थानों की स्थापना की। इन शिक्षा संस्थानों का केवल एक ही उद्देश्य था कि सबको बिना किसी भेदभाव या ऊंच-नीच के एक समान शिक्षा का अधिकार मिल सकें। आज हम आधुनिक युग में शिक्षा का स्तर देखते है तो, इसका स्वरूप पिछले कुछ दशकों के मुकाबले बिलकुल विपरीत नजर आता है। बच्चों के शिक्षा के प्राथमिक स्तर अर्थात नर्सरी से लेकर पीएचडी तक शिक्षा एक पैकेज के रूप में पैसे के हिसाब से मिलता है, इसमें पुस्तकें, यूनिफार्म, कोचिंग, स्टेशनरी हर चीज पहले से तय होती है। शिक्षा के बाजार में प्रतियोगिताएं भी खूब चलती है। कुछ महंगे शिक्षा संस्थान तो फाइव स्टार होटल जैसा अत्याधुनिक सेवा-सुविधाओं वाला पैकेज भी विद्यार्थियों को प्रदान करते है। शिक्षा के क्षेत्र में अब दिखावे को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है।

सरकारी और निजी ऐसे दो प्रकार के शिक्षा संस्थान हमारे देश में है। सरकारी संस्थान में शिक्षकों का वेतन बेहतर होने के कारण वहां के शिक्षकों की आर्थिक स्थिती समाधानकारक होती है। देश में केंद्र सरकार के आईआईटी, आईआईएम, विश्वविद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, आर्मी पब्लिक स्कूल जैसे संस्थान अपने बेहतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाने जाते है, परंतु अन्य संस्थानों में बहुत बुरी स्थिति में शिक्षा प्रणाली नजर आती है। अनेक प्रवेश परीक्षाओं, शिक्षक भर्ती में फर्जीवाड़ा नजर आता है। बड़े-बड़े वेतनभोगी शिक्षकों को अपने विषय का ज्ञान नहीं होता। बहुत से राज्यों की सरकारी शिक्षा संस्थान कबाड़ की दुकान नजर आती है, विशेष रूप से पिछड़े क्षेत्रों में। नकली पदवी के लिए भी रैकेट सक्रिय है। शिक्षा विभाग में बहुत सी गंभीर समस्याओं की बातें तो जानते है, लेकिन कोई भी खुलकर विरोध नहीं करता है। आज शिक्षक भी व्यभिचार, भ्रष्टाचार, भेदभाव, नशाखोरी करता हुआ दिखता है।

प्रसिद्ध निजी शिक्षण संस्थान जो आर्थिक रूप से मजबूत है, वे शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने और बेहतर सुविधा विद्यार्थियों को प्रदान करने का प्रयत्न करते नजर आते है, लेकिन छोटे निजी संस्थान में नियमानुसार योग्यतापूर्ण शिक्षक की भर्ती केवल नाम के लिए होती है, क्योंकि अत्यल्प वेतन पर शिक्षक को नौकरी पर रखना उस शिक्षक से धोखा है, इसलिए ऐसे संस्थानों में हर साल अयोग्य नये शिक्षक आते-जाते है। इस कालावधि में विद्यार्थियों का बहुत नुकसान होता है, शिक्षक भी अपने छोटे-से वेतन के हिसाब से कामचलाऊ शिक्षा प्रदान करते है। ऐसे शिक्षक और विद्यार्थी दोनों विकसित समाज के लिए रुकावट का काम करते है। आजकल देश में गिरते शिक्षा के स्तर के लिए ऐसी शिक्षा प्रणाली जिम्मेदार है।

शिक्षा में अनेक कलंकित करने वाली घटनाएं नित्य घटित होती है, 15 अगस्त 2024 को नागपुर (महाराष्ट्र) के दैनिक भास्कर हिंदी समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ पर राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में 92 प्रोफेसर पद भर्ती के लिए 30 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने की खबर प्रकाशित हुयी थी, अर्थात हर एक पद के लिए 50-80 लाख रूपये के आसपास। 20 अगस्त 2024 को लोकमत समाचार पत्र में भी छत्रपति संभाजी नगर (महाराष्ट्र) के एक महाविद्यालय के प्रोफेसर जिनका वेतन पौने तीन लाख रुपये महीना है, उन्होंने अपने एक पीएचडी के विद्यार्थी से 5 लाख रुपये रिश्वत में लेने का तय किया और इसकी पहली किस्त 50 हजार रुपये लेते हुए एंटी करेप्शन ब्यूरो द्वारा प्रोफेसर पकडी गयी, यह खबर प्रकाशित हुयी थी।

ऐसी खबरें अक्सर ही पढ़ने-सुनने को मिलती है, इस क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी वर्ग इस हकीकत को काफी अच्छे से जानते है। लेकिन इसकी भयावहता का शिकार केवल गरीब और योग्य उच्च शिक्षित उम्मीदवार होता है क्योंकि वह रिश्वत नहीं दे सकता, इसलिए नौकरी प्राप्त कर पाना कठिन होता है। बहुत बार इस समस्या के बारे में कुलगुरु, सत्ताधारी नेता, मंत्री महोदय को अवगत कराया गया लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं मिला। गलत मार्ग से शिक्षक जैसे पवित्र पद प्राप्त करने वाले क्या सच में अपने पद की गरिमा, न्याय, निष्ठा बनाकर आदर्श शिक्षक बन पाएंगे? हमारे देश में 20 सालों से भी अधिक समय से योग्य उम्मीदवार यूजीसी-नेट, सेट, स्लेट जैसी असिस्टेंट प्रोफेसर पद हेतु योग्यता परीक्षा पास करके, एमफिल, पीएचडी पदवी प्राप्त करके, अपने जीवन के अनेक वर्ष, पैसा, उम्र इस उच्च शिक्षा को प्राप्त करने में खर्च करके भी उन्हें योग्यतानुसार नौकरी नहीं मिली इसलिए उनकी जिंदगी तबाह हो चुकी है। महाराष्ट्र राज्य में सरकारी सहायता प्राप्त (ग्रांटेड) कॉलेजों में प्रोफेसर पदों या नौकर भर्ती की जिम्मेदारी कॉलेज को दी गयी है, वेतन सरकार करता है लेकिन पद भर्ती कॉलेज करता है। अधिकतर शिक्षा संस्थान में अनुबंध पर शिक्षकों को दिहाड़ी मजदूर से भी कम वेतन प्राप्त होता है। इस महंगाई में जीवन जीना बहुत मुश्किल हो जाता है, इसलिए बहुत बार हताश होकर ऐसे शिक्षक आत्महत्या भी करते है।

एक बार मैं चंद्रपुर (महाराष्ट्र) के ग्रामीण क्षेत्र के राज्य सरकार द्वारा अनुदानित लड़कों के आवासीय आश्रम विद्यालय में एक दिन के लिए रुका था, तब बरसात का समय था, आश्रम भवन खंडहर की तरह था, दरवाजे की जगह लकड़ियों के टुकड़े जोड़कर काम चलाया जा रहा था, कमरे के अंदर से दीवारें भीगी थी, इतने अपर्याप्त सुविधाओं में छोटे-छोटे विद्यार्थी वहां निचे दरी बिछाकर सोते थे। स्नानगृह, शौचालय बहुत अस्वच्छ थे, इसलिए वहां के विद्यार्थी आश्रम के कुएं पर ही खुले में स्नान करते थे। वहां का रसोईघर देखकर तो किसी को भी भोजन करने की हिम्मत ही नहीं होगी। दीवारों से लगकर ही नालियां बह रही थी, जिसमें मौजूद बड़े-बड़े मच्छर एक पल के लिए भी शांत बैठने नहीं देते थे, ऐसे वातावरण में सांप, बिच्छू का डर बना रहता है। वह दृश्य आज भी याद करता हूँ, तो शरीर कांप जाता है और वहां के बच्चों पर तरस आता है कि देश का आने वाला भविष्य किस बदहाल स्थिति में दिन काट रहा है। आज के युग में सच्चा शिक्षक होना बहुत मुश्किल है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीन पहुंचा रहा है देश की आर्थिक समृद्धि को नुकसान और सरकार ने साध रखी है चुप्पी: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा

कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि चीन से अनियंत्रित आयात घरेलू स्तर पर 'कहर' बरपा रहा है। इसके साथ ही पार्टी ने सरकार पर देश की क्षेत्रीय अखंडता और आर्थिक समृद्धि को चीन द्वारा किए जा रहे नुकसान पर 'सोची-समझी चुप्पी और 'निष्क्रियता' बनाए रखने का आरोप लगाया।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि अनियंत्रित चीनी आयात और 'डंपिंग' पर भारत सरकार की प्रतिक्रिया 'बिखरी' हुई है।

उनकी टिप्पणी थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की उस रिपोर्ट पर आई जिसमें कहा गया है कि चीन से छाता, संगीत वस्तुओं जैसे सामान का आयात भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''हर दिन चीनी आयात पर भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ती निर्भरता पर नई जानकारी आती है। आज हमें पता चला कि हमारे देश के लगभग 96 प्रतिशत छाते और 50 प्रतिशत से अधिक खिलौने और संगीत उपकरण चीन से आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे प्रमुख उद्योगों में चीन से भारत का आयात लगभग नौ गुना बढ़ा है जो 2016-17 में 1.4 अरब डॉलर था और 2023-2024 में बढ़कर 12.1 अरब डॉलर हो गया है।

रमेश ने कहा कि इस अवधि में भारत का दवा सामग्री आयात 1.6 अरब डॉलर से दोगुना होकर 3.3 अरब डॉलर हो गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि दुनिया भर की सरकारें चीन की औद्योगिक अतिक्षमता से और विदेशों में उसके माल की 'डंपिंग' को लेकर सजग हैं। उन्होंने कहा, ''वे अनियंत्रित चीनी आयात को प्रतिबंधित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही हैं और आर्थिक रूप से चीन के प्रति निर्भर होने के जोखिम के बजाय उससे 'अलग होने' को प्राथमिकता देने के लिए एकीकृत आर्थिक रणनीतियों का अनुसरण कर रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमारी सीमाओं पर और हमारी भूमि के भीतर चीनी सैनिकों की ओर से बढ़ते राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे के बावजूद, भारत सरकार इस मामले में सुस्ती बरत रही है।'' उन्होंने कहा कि 'टिकटॉक' पर तो प्रतिबंध लगा दिया गया लेकिन आयात बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''चीन से अनियंत्रित आयात घरेलू स्तर पर कहर बरपा रहा है। उदाहरण के लिए, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में भारत के लगभग 30-35 प्रतिशत स्टेनलेस स्टील एमएसएमई को बड़े पैमाने पर सस्ते चीनी आयात के कारण जुलाई से सितंबर 2023 के बीच बंद करना पड़ा है।'

ब्रिटेन सरकार और उद्योग की विफलताओं के कारण ग्रेनफेल टावर मौत का जाल बना: रिपोर्ट

लंदन/एपी

ब्रिटेन की राजधानी में ग्रेनफेल टावर में भीषण आग की घटना पर बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार, नियामकों और उद्योग की दशकों की विफलताओं के चलते बहुमंजिला इमारत ''मौत के जाल'' में तब्दील हो गई जिसमें 72 लोगों की जान चली गई थी।

वर्ष 2017 में हुए इस अग्निकांड की कई साल तक चली सार्वजनिक जांच में निष्कर्ष निकला है कि त्रासदी का कोई ''एकल कारण'' नहीं था, बल्कि बेईमान कंपनियों, कमजोर या अक्षम नियामकों और लापरवाह सरकार के रवैये के कारण इमारत में द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन की धरती पर आग लगने की सबसे भयावह घटना हुई। जांच के प्रमुख सेवानिवृत्त न्यायाधीश मार्टिन मूर-बिक ने कहा कि आग की चपेट में आए लोगों की मौत टाली जा सकती थी लेकिन बार-बार लापरवाही की जाती रही। उन्होंने कहा, ''इसमें सभी का किसी न किसी तरह से योगदान रहा, ज्यादातर मामलों में अक्षमता के जरिए लेकिन कुछ मामलों में बेईमानी और लालच के जरिए।'' ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जांच निष्कर्ष आने के बाद सरकार की ओर से माफी मांगी और कहा कि ऐसी त्रासदी ''कभी नहीं होनी चाहिए''। उन्होंने पीड़ित परिवारों से न्याय का वादा किया।

हालाँकि, रिपोर्ट घटना में जीवित बचे लोगों को कुछ ऐसे उत्तर दे सकती है जिनकी उन्हें लंबे समय से प्रतीक्षा थी लेकिन उन्हें यह देखने के लिए अभी इंतजार करना होगा कि क्या किसी को दोषी मानकर मुकदमा चलाया जाएगा। पुलिस आरोपों पर निर्णय लेने से पहले जांच के निष्कर्षों की पड़ताल करेगी।

हिंदी में कार्य में प्रगति सबकी भागीदारी, प्रयास और अभ्यास से संभव : डॉ. जगदीश

कॉफी बोर्ड मुख्यालय में 'राजभाषा संगम' कार्यक्रम हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कॉफ़ी बोर्ड मुख्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी माह-2024 का शुभारंभ 'राजभाषा संगम' कार्यक्रम से हुआ। इसके पूर्वाह्न सत्र में स्मृति पर आधारित अनुवाद टूल कंठस्थ 2.0 पर कार्यशाला एवं अपराह्न सत्र में हिंदी काव्य पाठ शामिल था।

पहले सत्र के अध्यक्षीय संबोधन में कॉफ़ी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव डॉ. केजी जगदीश ने कहा कि कार्यालय में हिंदी में कार्य में प्रगति सबकी भागीदारी, प्रयास और अभ्यास से संभव है। उन्होंने हिंदी में नई पहल और प्रौद्योगिकी पर बल दिया।

कंठस्थ 2.0 के प्रशिक्षक एवं केनरा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) मयंक पाठक ने टूल के इस्तेमाल और इसके लाभ के सभी पहलुओं को अभ्यास के माध्यम से बताया। कॉफ़ी बोर्ड उप निदेशक (राजभाषा) डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने कहा कि हिंदी का विकास साहित्य, व्यापार, सिनेमा आदि सभी क्षेत्रों से हुआ है। हमें हिंदी की निरंतर सेवा करनी होगी। दूसरे सत्र में काव्य पाठ हुआ। उसमें 26 कार्मिकों ने प्रस्तुति दी। राकास के उपाध्यक्ष एवं वित्त निदेशक एनएन नरेंद्र ने अपने संबोधन में काव्य को साहित्य की आत्मा बताते हुए इसे संवेदना और मनुष्य होने के यथार्थ स्वरूप में सहायक माना।

अतिथि कवयित्री गरिमा सक्सेना ने शृंगार, प्रेम और ज्वलंत मुद्दों के केंद्र में स्त्री की स्थिति पर काव्य पाठ से सभी को अभिभूत किया। उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेकाका (दक्षिण) अनिर्बान कुमार विश्वास ने कॉफ़ी बोर्ड की इस अनूठी पहल के लिए बधाई दी एवं राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने में नवाचार के साथ सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. इसपाक अली ने कर्नाटक में हिंदी की प्रगति को रेखांकित करते हुए विषय सापेक्ष काव्य और शायरी पढ़ीं। इस अवसर पर कॉफ़ी बोर्ड के कार्मिक सहित बेंगलूरु में स्थित उपक्रम, बैंक, बीमा और सरकारी कार्यालयों से लगभग 75 अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम में उत्कृष्ट काव्य पाठ करने वालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सी मादप्पा, अनुश्री पीएस ने किया। उषा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुलाकात

नई दिल्ली में बुधवार को पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया नई दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

फरहान अख्तर ने शुरू की फिल्म '120 बहादुर' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता-फिल्मकार फरहान अख्तर ने अपनी आने वाली फिल्म '120 बहादुर' की शूटिंग शुरू कर दी है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने फिल्म '120 बहादुर' की घोषणा की है। फिल्म '120 बहादुर' में फरहान अख्तर मुख्य भूमिका में नजर आयेंगे।फरहान अख्तर ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। यह फिल्म मेजर शैतान सिंह यानी पीवीसी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी कहती है। यह मिलिट्री एक्शन फिल्म 1962 के इंडो-चाइना वॉर के दौरान की कहानी है और रेजांग ला की लड़ाई से प्रेरित है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज ने दो रोमांचक मोशन पोस्टर जारी किए हैं।रजनीश 'राज़ी' घई द्वारा निर्देशित इस फिल्म का उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी का सम्मान करना भी है।

फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म '120 बहादुर' का पोस्टर शेयर करते हुये लिखा,जो उन्होंने हासिल किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।मेरे लिए यह एक बड़े ही गौरव और सम्मान की बात है कि मैं आपको आदरणीय परम वीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह भाटी और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी प्रस्तुत कर रहा हूं।

18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़ी गई प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई, यह हमारे वीर सैनिकों की अद्वितीय वीरता, अदभ्य साहस और नि:स्वार्थता की कहानी है।हम अत्यंत आभारी हैं कि इस अद्भुत वीरता की गाथा को पर्दे पर लाने में हमें भारतीय सेना का समर्थन और पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

जलवायु परिवर्तन से खतरे में पड़ सकता है मतदान का अधिकार : ओली

काठमांडू/भाषा

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने बुधवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण अप्रत्याशित मौसम और प्राकृतिक आपदाओं से नागरिकों का मतदान का अधिकार खतरे में पड़ सकता है। ओली यहां 'फोरम ऑफ इलेक्शन मैनेजमेंट बॉडीज ऑफ साउथ एशिया' (फेम्बोसा) के 12वें सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''जलवायु परिवर्तन, प्रवासन और सोशल मीडिया का उदय तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका जैसे मुद्दे हमारे लोकतंत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' ओली ने कहा, ''जलवायु परिवर्तन के कारण अप्रत्याशित मौसम पैटर्न और प्राकृतिक आपदाएं यह सुनिश्चित करने की हमारी क्षमता को खतरे में डालती हैं कि प्रत्येक नागरिक अपने वोट देने के अधिकार का प्रयोग कर सके...जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण से जुड़ा मुद्दा नहीं है, यह हमारे समाज के हर पहलू को प्रभावित करता है।'' ओली ने 'चुनावों में उभरती प्रवृत्ति: जलवायु परिवर्तन, सोशल मीडिया और प्रवासन' थीम वाले दो दिवसीय सम्मेलन में कहा, ''सीमाओं के पार और हमारे देशों के भीतर लोगों की आवाजाही का मतदाता सूची, मतदाता पहचान और मतदान के अधिकार पर गहरा प्रभाव पड़ता है।'' ओली ने कहा, ''हालांकि ये उपकरण पहुंच और भागीदारी के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन वे गलत सूचना, दुष्प्रचार, फर्जी समाचार और हेरफेर जैसे जोखिम भी लाते हैं जो हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इन प्रौद्योगिकियों को अपनाते समय पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए सावधानी और दृढ़ प्रतिबद्धता का पालन किया जाना चाहिए। नेपाल के मुख्य चुनाव आयुक्त दिनेश कुमार थपलिया ने कहा कि राजनीतिक दल चुनाव कराते समय पर्यावरण के मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''दक्षिण एशिया में सरकारों को पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि इसका प्रभाव लोगों के प्रवासन और बदलते मतदान पैटर्न में देखा जा सकता है... हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनाव कराने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्रौद्योगिकी के साथ-साथ सामग्री भी पर्यावरण के अनुकूल होनी चाहिए।''

'ताजा खबर' सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

हॉटस्टार स्पेशल्स एक्शन-ड्रामा शो 'ताजा ख़बर' सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

हॉटस्टार स्पेशल्स ताज़ा खबर अपने सीजन 2 के साथ 27 सितंबर, 2024 को डिज़्नी+ हॉटस्टार पर लौट रहा है।रोहित राज और भुवन बम द्वारा बीबी की वाइन्स प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित और हिमांक गौड़ द्वारा निर्देशित इस सीरीज में जावेद जाफरी,श्रिया पिलगांवकर, प्रथमेश परब, देवेन भोजानी और शिल्पा शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। इस शो में जावेद जाफरी दबंग और दमदार युसुफ अख्तर की भूमिका निभा रहे हैं, जोकि वस्या के लिये बड़ा खतरा पैदा करेगा। भुवन बम ने कहा, 'ताज़ा खबर सीजन 2 हर किसी के दिमाग में है और यह घोषणा करते हुए मैं बहुत खुश हूं कि वस्या लौट आया है! हमारे प्रशंसकों ने इसकी जमकर तारीफ की है और मैं उनकी अटकलों और अनुमानों की भरमार देख रहा हूं। अपने प्रशंसकों को मैं आश्वस्त कर सकता हूं कि उनका इंतजार बेकार नहीं जाएगा। सीजन 2 की शूटिंग में भावनात्मक चुनौती मिली और मैंने वस्या की आँखों में खुद को देखा। उसका सफर ही उसके इर्द-गिर्द की सारी चीजों को संतुलित कर देता है। इस सीजन में मेरा किरदार बेहतर हुआ है और वह छुटकारे तथा असलियत का सफर शुरू करेगा। इसके अलावा, मुझे दिग्गज अभिनेता जावेद जाफरी के साथ काम करने में बड़ा मजा आया और मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। ताज़ा खबर डिज़्नी+ हॉटस्टार के जरिये आपकी स्क्रीन्स पर आ रही है। जावेद जाफरी ने कहा, एक्टर होने के नाते मैंने हमेशा अपने भीतर छुपी क्षमताओं को खोजना और नई भूमिकाओं से खुद को चुनौती देना पसंद किया है। जब मेरे पास ताज़ा खबर सीजन 2 का ऑफर आया, तब विरोधी किरदार निभाने को लेकर मैं रोमांचित था। यूसुफ में लेयर्स हैं, वह दमदार है और उसका बर्ताव डराने वाला है। मैंने पहले कभी ऐसा कोई रोल नहीं किया है। भुवन बम जैसे असरदार और कड़ी मेहनत करने वाले युवा के साथ काम करना बेहतरीन रहा। वह हमेशा जोशीले और दृढ संकल्पित रहते हैं। रचनात्मक तौर पर ताज़ा खबर से मुझे संतुष्टि मिली है और दर्शक वस्या और युसुफ की निर्णायक जंग देखने का भरपूर आनंद उठाएंगे।

श्रिया पिलगांवकर ने कहा, ताज़ा खबर में मधु का किरदार मेरे लिये बेहद खास है और उसे मिले प्यार के लिये मैं बहुत आभारी हूँ। उसके पास गहराई और ताकत है। सीजन 1 में हम सेक्स वर्कर के तौर पर उसका बदलाव देखते हैं, लेकिन आखिरकार वह सब-कुछ खो देती है। सीजन 2 में वह पलटकर अपना हक जता रही है। कहानी आगे बढ़ने के साथ, वस्या के साथ उसका रिश्ता मजबूत होगा। मधु ने मुझे प्रेरित किया है और मैं उम्मीद करती हूँ कि उसकी खूबियों ने ऐसी कई महिलाओं के दिलों को छुआ है, जो हर मुश्किल के बावजूद आज के जमाने में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। कुल मिलाकर, हमारे प्रशंसकों का प्यार और समर्थन शानदार था और मैं उत्साहित हूँ कि वे इस यादगार सफर का अगला अध्याय देखने जा रहे हैं। निर्देशक हिमांक गौड़ ने कहा, ताज़ा खबर के जरिये मैं हमेशा से जिन्दगी की कठोर सच्चाइयाँ दिखाने की कोशिश में रहा हूँ। मैं दिखाना चाहता था कि प्रोटेगोनिस्ट की ताकत का उससे क्या रिश्ता होता है और इससे उसके सफर में क्या बदलाव होता है। प्रशंसकों ने सीजन 1 को बड़ा पसंद किया है और इस कहानी से दर्शकों को इतना लगाव इसलिये हुआ, क्योंकि यह फर्श से अर्श तक पहुँचने की कहानी है।

सपना चौधरी की बायोपिक मैडम सपना का पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

हरियाणवी लोक कलाकार और मशहूर डांसर सपना चौधरी की बायोपिक मैडम सपना का पोस्टर रिलीज़ हो गया है। बॉलीवुड के जाने माने फिल्मकार महेश भट्ट, विनय भारद्वाज के साथ मिलकर सपना चौधरी की अनोखी और प्रेरक कहानी को सिल्वर स्क्रीन पर लाने की तैयारी कर रहे हैं। मैडम सपना नाम की इस फिल्म का निर्माण शाइनिंग सन स्टूडियोज के बैनर तले किया जाएगा। सपना चौधरी ने अपने इंस्टा हैंडल पर फिल्म 'मैडम सपना' का पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने लिखा, जिन्दगी कभी आसान नहीं होती, ये हम सब जानते हैं। लेकिन हमारे संघर्ष, हमारी लड़ाइयां, हर किसी के लिए अलग-अलग होती हैं। जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि मेरा सफर कभी भी फूलों की सेज नहीं रहा। फिर भी, आज मैं मजबूती से खड़ी हूं,सिर्फ सपना चौधरी के रूप में नहीं, बल्कि उन सबकी आवाज़ बनकर जो अपनी लड़ाइयां लड़कर उनसे ऊपर उठे हैं। शाइनिंग सन स्टूडियोज़ के जरिए मेरी यात्रा अब आपके सामने होगी-खरी, सच्ची, और बिना किसी बनावट के।' '

दौरा

आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वाई.एस. शर्मिला ने बुधवार को विजयवाड़ा के सिंह नगर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया।

कंगना रनौत ने अपनी अगली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री कंगना रनौत ने मंगलवार को अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा ऐसे समय की जब वह अपने निर्देशन में बनी फिल्म 'इमरजेंसी' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र मिलने का इंतजार कर रही हैं। फिल्म निर्माताओं के अनुसार, फिल्म में श्रमिक वर्ग के नायकों के अमूल्य योगदान को दिखाया जाएगा, जो पर्दे के पीछे रहकर दिन रात मेहनत करते हैं। मनोज तपाड़िया फिल्म का निर्देशन करेंगे और इसका कथानक लिखेंगे। फिल्म का निर्माण यूनोइया फिल्म्स और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट करेंगी।

रनौत ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर इसकी घोषणा की। उन्होंने लिखा, ''बड़े पर्दे पर वास्तविक जीवन के नायकों के जादू का अनुभव कीजिए। 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा करके बहुत उत्साहित हूं। बबिता आशिवाल और आदि शर्मा जैसे प्रतिभाशाली निर्माताओं की जोड़ी और दूरदर्शी निर्देशक मनोज तपाड़िया के मार्गदर्शन में बनने जा रही यह फिल्म गुमनाम नायकों को एक सिनेमाई श्रद्धांजलि होगी।'' अभिनेत्री ने लिखा, ''यूनोइया फिल्म्स और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट की यह पहली फिल्म होगी। 'भारत भाग्य विधाता' दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ने का वादा करती है और उम्मीद, साहस तथा हालात से उबरकर उठ खड़े होने की प्रेरणा देती है।'' यूनोइया फिल्म्स की बबिता आशिवाल ने कहा कि 'भारत भाग्य विधाता' पर काम करना इनाम मिलने के समान है। आशिवाल ने एक बयान में कहा, ''हमारा लक्ष्य ऐसी फिल्म का निर्माण करना है जो दर्शकों को आकर्षित करे। कंगना के इससे जुड़ने से हमें भरोसा है कि फिल्म अच्छा प्रदर्शन करेगी।''

फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट के आदि शर्मा ने कहा, ''इस फिल्म में कंगना के साथ हमारी साझेदारी हुई है। हमारा लक्ष्य ऐसी फिल्म का निर्माण करना है जो सीमाओं से परे जाकर दर्शकों से बेहद भावनात्मक रूप से जुड़े। उच्च विषय-वस्तु वाली फिल्में वास्तव में ब्लॉकबस्टर सफलताओं का भविष्य हैं।'' इस बीच, रनौत के निर्देशन में बनी 'इमरजेंसी' को अब तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र नहीं मिला है।

फिल्म की रिलीज कई बार आगे बढ़ाई गई थी और आखिरकार यह छह सितंबर को रिलीज होने वाली थी। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना इस फिल्म की निर्देशक और सह-लेखिका भी हैं। फिल्म में रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। कई सिख धार्मिक संगठनों ने फिल्म की आलोचना करते हुए दावा किया है कि फिल्म से ''सांप्रदायिक तनाव पैदा हो सकता है'' और ''भ्रामक सूचनाएं'' फैल सकती हैं।

महिलाओं ने 'बुरे वक्त' का सामना हमेशा ही किया है,लेकिन आज हम इस पर अधिक बात करते हैं: अनन्या पांडे

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने कहा कि महिलाओं को ''बुरे वक्त'' का सामना हमेशा ही करना पड़ा है, लेकिन आज स्थिति बदली है और वे अब इन मुद्दों पर मुखरता से अपनी बात रखती हैं।

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों तथा सिनेमा जगत में उनके साथ होने वाले बर्ताव पर किए एक सवाल पर अनन्या ने कहा कि जागरूकता बढ़ाना जरूरी है लेकिन समाज में वास्तविक बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

अभिनेत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' महिलाओं ने हमेशा बुरे वक्त का सामना किया है, अब हम इसके बारे में काफी कुछ बोल रहे

हैं। इसके बारे में बात करना एक बात है लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है इसको लेकर कुछ करना।'' उन्होंने कहा, '' एक महिला और एक कलाकार के तौर पर हम अपने आस-पास के पुरुषों को यह बताकर अपना योगदान दे रहे हैं कि वे इन परिस्थितियों का कैसे बेहतर बना सकते हैं और साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवाज उठा रहे हैं।''

'कॉल मी बे' वेब सीरीज की अभिनेत्री अनन्या ने कहा कि खासतौर पर कानून के जरिये व्यवस्थागत बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा, '' सबसे महत्वपूर्ण कदम कानून में बदलाव लाना है और सरकार इसमें कई बदलाव कर रही है।''

ओटीटी मंच 'प्राइम वीडियो' पर प्रसारित होने वाली इस सीरीज 'कॉल मी बे' में पांडे की सह-अभिनेत्री निहारिका लायरा दत्त ने कहा कि यह ''काफी अच्छा'' है कि महिलाएं फिल्म उद्योग में असमानता के बारे में बात कर रही हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

धन कमाने से व्यक्ति धनवान बनता है, वैसे ही गुणों को ग्रहण करने से गुणवान बनता है। यदि गुणों के आधार पर गुणवान को चुनते हैं तो विवाद नहीं होगा। हमें अच्छाई लेनी है और वैसी ही हमारे अंदर प्रमोद भावना होनी चाहिए। प्रमोद भावना हमारे अंदर रहे दोष को दूर करती है। गुण ग्रहण का भाव गुणवान को देखकर आए, तो समझना हम गुणग्राह्य है। गुणों को ग्रहण करने से हमारा जीवन पवित्र, उज्जवल, समृद्ध बनता है अन्यथा नकारात्मकताओं से भर देता है। दरिद्रता वह है, जिसके पास न गुण है, न गुणों को ग्रहण करने की तैयारी है। जो गुणों को ग्रहण करता है, वह प्रशंसनीय और साधुवाद का पात्र है।

बाहर की अंधी दौड़ को रोकने आया है पर्युषण पर्व : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य भगवंत महेंद्र ऋषिजी ने बुधवार को धर्मसभा प्रवचन देते हुए कहा कि अनादिकाल से हम इकट्ठा करने की दौड़ में भागे जा रहे हैं। हमें अपेक्षा तो बहुत की होती है। हम उस चक्कर में भागे ही जा रहे हैं। हम क्यों भाग रहे हैं, कब तक भागेंगे। चौबीसों घंटे जागते, सोते यही सोचते हैं हमें यह भी मिल जाए, वह भी मिल जाए। हम रुकेंगे तो ही पता चलेगा कि हम कितने भागे। बाहर की अंधी दौड़ को रोकने हेतु यह पर्युषण पर्व आया है। धन्य है उन तपस्वियों को, जिन्होंने इस संसार की दौड़ से रोक लगाई है। भगवान कहते हैं सारा संसार भी तेरा हो जाए, सारा धन तुझे मिल जाए, वह भी अपूर्ण है। तू उसको न पचा सकता है और न ही वह तृप्ति दे सकता है। जितना भी इकट्ठा करो, वह अपर्याप्त है। कितना भी इकट्ठा कर लो, भोग कितना कर पाओगे।

उन्होंने कहा जिस समय व्यक्ति समझे, कभी तो उसे रुकना है, तब ही वह रुक सकता है। भगवान कहते हैं यह दौड़ अनादिकाल से चलती आ रही है। इस दौड़ की कीमत हम समझ नहीं पा रहे हैं। यदि हम रुकेंगे तो ही इसे समझ पाएंगे। थोड़ी देर रुकना ही पड़ेगा, अपनों के साथ रुकना ही पड़ेगा,

तभी हम समझ पाएंगे। यह समझो और तय करो कि हमें कहीं न कहीं रुकना तो है। इस संसार में आपके पास है, इसीलिए सब आपके चारों ओर मंडरा रहे हैं। समय बदल गया है लेकिन पैसे की स्थिति वही है।

उन्होंने कहा आज की मानसिकता इतनी कमजोर हो गई है कि समाज में कई चीजें पनप रही है, जिससे जैनत्व कमजोर हो रहा है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में आदर्शों का पतन हो रहा है। लोग खुद को भूलने लगे हैं। अपनी परंपरा व संस्कृति को भूल रहे हैं। आजकल चारों ओर अराजकता का भाव आ गया है। आप अपने गांव से कनेक्टिविटी रखो, उसके महत्व को समझो। कभी भी शहरों में तकलीफ आ गई तो गांव ही श्रेष्ठ ठिकाना होगा। उन्होंने कहा यह दौड़ आज के युग की पहचान बन गई है। यह गति पर्याय बन गई है। भगवान कहते हैं स्पीड में गए, तो कब तकलीफ आ सकती है, कह नहीं सकते। इसलिए थोड़ा रुको। प्रत्याख्यान, व्रत को भीतर से अपनाओ। भीतर में आत्म साधना-आराधना करके मंगल भावों से आगे बढ़ो। इस दौरान मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि आगामी 10 सितम्बर को एएमकेएम के प्रांगण में सामूहिक क्षमापना का आयोजन होगा जिसमें चारों संप्रदायों के आचार्य भगवंत एवं सभी साधु साध्वी जी शिरकत करेंगे। 11 सितम्बर से 29 दिवसीय पुच्छीसुंनम सपुंट जाप शुरू होगा। महामंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने बताया कि सुश्राविका मंजू चौरड़िया ने अठाई तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किया। वरिष्ठ सुश्राविका विमलाबाई सिंघवी ने 33 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। इसके अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु पर्युषण की अठाई की ओर अग्रसर है। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

विश्व संस्कृत दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अन्नानगर में जयगोपाल गरोडिया विवेकानन्द विद्यालय में 4 सितम्बर को विश्व संस्कृत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रेसीडेन्सी कॉलेज के संस्कृत विभाग के पूर्व प्रोफेसर और पीजी और रिसर्च डॉ. आर. त्यागराजन थे। छात्रों ने संस्कृत भाषा के महत्व के बारे में बताया। छात्रों द्वारा एक घंटे का संस्कृत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने संस्कृत के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर अकादमिक निदेशक जी.विजयकुमार और प्रिंसिपल एम.उमा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

चेन्नई प्रवासी रमेश कुमार 'भामाशाह सम्मान' से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में व्यसायरत तथा श्री चंद्रप्रभु जैन नया मंदिर ट्रस्ट के पूर्व ट्रस्टी रमेश कुमार खूबचंद जैन को हाल ही में उदयपुर में राज्य स्तरीय शिक्षा भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। उदयपुर में आयोजित 28वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में जालोर जिले के तीखी ग्राम निवासी रमेश कुमार खूबचंद नागोत्रा सोलंकी परिवार की ओर से राजकीय उच्चतर माध्यामिक विद्यालय तीखी में एक हाल एवम प्राचार्य कक्ष का निर्माण करवाया गया था। रमेश कुमार ने बताया कि चेन्नई में रहने के बावजूद उन्हें अपने जन्मभूमि से काफी लगाव है। गांव में शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय विकास में सहयोग की जरूरत होने पर 40 लाख की लागत से विद्यालय के लिए एक बड़ा हाल तथा प्रधानाचार्य कक्ष बनाकर विद्यालय को दिया।

इस नेक कार्य हेतु प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने रमेश जैन व उनकी पत्नी कांता देवी जैन को राजस्थान सरकार की ओर से शिक्षा भूषण सम्मान प्रदान किया है।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज ने मनाया क्रीडोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज का 44 वां वार्षिक क्रीडोत्सव समारोह पेरियामेट स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में बड़े धूमधाम से मनाया। आईओबी के वरिष्ठ प्रबंधक एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी विनीत रेवी मैथ्यू ने उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि पद की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं समिति सदस्यों द्वारा रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर की गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या सी विजयलक्ष्मी ने अपने स्वागत भाषण से अतिथिगणों का स्वागत किया। विद्यालय की संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल ने पुष्प गुच्छ, क्रीडा अध्यक्ष गौरव जैन एवम् कोषाध्यक्ष सावरमल खेमका ने अंग वस्त्र तथा सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथालिया ने स्मृति चिन्ह भेटकर मुख्य अतिथियों का सम्मान किया।

सभी सदनों के छात्रों, एनसीसी, शांति समूह , इको फ्रेंडली , स्काउट्स एंड गाइड एवं प्राइमरी के छात्रों ने कदम से कदम मिलते हुए शानदार परेड प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ने परेड की सलामी ली इसके उपरांत खेल मसाल को प्रज्ज्वलित कर क्रीड़ा सचिव छात्र हिरेश एवं सदन नेताओं ने शपथ ग्रहण की। इस समारोह में मार्च पास्ट के अतिरिक्त छात्रों ने एरोबिक्स, पिरामिड, योगा, ड्रिल, हूला हूप्स, रस्सी कूद, हॉकी, सिलम्बम एवं नृत्य आदि विभिन्न प्रकार के कौशलों का शानदार प्रदर्शन किया साथ ही समिति सदस्यों, शिक्षकगणों तथा अभिभावकों ने भी खेल में हिस्सा लेकर इस समारोह को और अधिक रोचक बना दिया।

मुख्य अतिथि एवं समिति सदस्यों ने विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया। क्रीड़ा सचिव छात्र हिरेश के धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उत्कृष्ट भावों से प्रदत दान अत्यंत ही फलदायी : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दान भले ही कम हो, लेकिन उत्कृष्ट भावना से दिया गया दान मनुष्य को पापों से मुक्त कर उसकी उच्च गति का मार्ग प्रशस्त करता हैं। □

यहां साहुकारपेट के जैन भवन में साध्वीश्री राजमतिजी म. सा. ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि दान देने के बदले में किसी चीज की कामना की भावना से दान नही करना चाहिए। साध्वी राजमतीजी ने कहा कि चारित्र आत्माओं को आहार देते समय विवेक रखकर उन्हे निर्दोष आहार, विशेष रूप से धोवन पानी का जरूर ध्यान रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारा जैसा मन होगा वैसे ही हमें फल प्राप्त होता है, बबूल के पेड़ों से आमों की प्राप्ति नही होती हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी अन्य नशे का त्याग कर दान, शील, तप और भावना का नशा रखना चाहिए। साध्वीजी ने दान ओर तप को मनुष्य के पुण्यार्जन के लिए सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि एक आयम्बिल से व्यक्ति न केवल अपने परिवार की बल्कि पूरे समाज और देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता हैं।

इससे पूर्व साध्वी विनयश्री ने कहा कि हम पर्युषण पर्व के आधे सफर को पूरा कर चुके हैं और समय आ गया है कि अपनी आत्मा का अवलोकन करे कि उन्होंने इन दिनों में कोई हिंसा तो नही की हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है कि वे कम से कम पर्युषण पर्व के दौरान अधिक से अधिक समय आध्यात्मिक कार्यो में और प्रवचन हाल में व्यतीत करे।

महासचिव संजय पिन्चा ने पर्युषण पर्व के दौरान संघ द्वारा आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी दी।

वाणी संयम करने से होता शक्ति का सवर्धन : साध्वी डॉ गवेषणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भाग्य से मनुष्य के पास 3 शक्तियां है- मन, वचन और काय। इनका उपयोग कैसे करें, क्यों करें, यह विवेक पर निर्भर है। कम बोलने, मधुर-मीठा बोलने, वाणी संयम करने से शक्ति का सवर्धन होता है। ज्यादा बोलने वाला लघुता को प्राप्त करता है। इसीलिए पायल स्त्रियों के पैरों में पहना जाता है और हार गले में। मधुर स्वरों के कारण शत्रु भी अर्थात् विभीषण भी राम का बन गया और कटु वचन के कारण रावण ने अपने भाई को खो दिया। उपरोक्त विचार अष्टदिवसीय पर्यूषण महापर्व साधना शिविर के चौथे दिवस वाणी संयम का महत्व बताते हुए डा. साध्वी गवेषणाश्रीजी ने आचार्य महाश्रमण तेरापंथ जैन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में साधकों को प्रेरणा देते हुए कहे। साध्वीश्रीजी ने आगे कहा कि भगवान महावीर ने मौन को तप माना है। भगवान महावीर का जीवन दर्शन ऊर्जा से संपन्न और जीवन बोध देनेवाला है।

साध्वीश्री मयंकप्रभाजी ने कहा कि मनुष्य का जीवन अनित्य है, इसमें बहुत विध्न है, आयुष्य थोडा है, इसी कारण इन दिनों में हम अधिक से अधिक धर्माराधना करे। साध्वीश्री मेरुप्रभा जी ने कहा कि दुनिया में हमारी एन्ट्री चाहे जैसी हो, पर एग्जिट शानदार होनी चाहिए। अपने वचन को ऐसा बनाए कि अगरबती की खुशबू की तरह हम सीधे दूसरों के दिल में उतर जाये। साध्वीश्री दक्षप्रभाजी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम की शुरुआत रेडहिल्स के महिलाओं के द्वारा मंगलाचरण से हुआ। माधावरम् की महिलाओं ने भगवान महावीर के 14 स्वप्नों की नाटिका द्वारा शानदार प्रस्तुति दी। आगामी कार्यक्रम की जानकारी प्रवीण सुराणा ने दिया।

भगवान महावीर स्वामी का जन्मवांचन धूमधाम से मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरएसपुरम् स्थित कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा संचालित मुनिसुव्रत मांदिर और दादावाड़ी में बुधवार को पर्युषण पर्व के पांचवे दिन साध्वीश्री प्रियसोमांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि पर्यूषण पर्व पर आज महावीर स्वामी जन्म वाचन कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। कुण्डलपुर में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहाँ तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को वर्द्धमान का जन्म हुआ। यही वर्द्धमान बाद में स्वामी महावीर बना। महावीर को 'वीर', 'अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महावीर स्वामी जन्म वाचन का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से साध्वीजी द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना करते हुए महावीर स्वामी जन्म वाचन का कार्यक्रम किया गया।

इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थित रही। सुबह जाजम बिछाने का मुहूर्त के अनुसार जाजम बिछाई गई उसके उपरांत विधि विधान से सुबह 9 बजे व्याख्यान हॉल में प्रवचन साध्वीवृंदों द्वारा दिया गया।

चौदह सपनों के लिए संघ की ओर से चढ़ावे बोले गए। जैन समाज के श्रावक सेविकाओं ने बढ़ चढ़कर बोली में भाग लिया। लक्ष्मीजी का चढ़ावा श्याम सुंदर संतोष लूनिया परिवार ने लिया गया। इसी बीच एक नाटकीय प्रस्तुति दी गई। पारना घर ले जाने का चढ़ावा शंखेश्वर दर्शन अपार्टमेंट के श्रावकों ने लिया। मुनीमजी का चढ़ावा गौतमचन्द नाहटा ने लिया।

प्रथम स्थान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज के बी कॉम तृतीय वर्ष के छात्र अविनाश रमेश ने फ्रांस में आयोजित 30वीं चेंबरी अंतर्राष्ट्रीय चेस महोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मूँधड़ा, कोषाध्यक्ष अशोक केडिया ने बधाई दी। इस मौके पर शिफ्ट-2 के खेल निदेशक वसंत कुमार भी उपस्थित रहे।

नेलमंगला कुटीर आश्रम में हुआ भव्य श्रीरामार्चन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के नेलमंगला में स्वामी निर्मलस्वरूपजी महाराज के सान्निध्य में वासुदेव कुटीर आश्रम में सम्पूर्ण विश्व में फैली अराजकता तथा उपद्रवों से शांति के लिए भव्य श्रीरामार्चन का आयोजन किया गया, जिसमें वेदमूर्ति आचार्य प्रणव शर्मा, डॉ. ललित शास्त्री, वेदमूर्ति आचार्य मनीष सहित काशी एवं जम्मू से पधारे अनेक वैदिक आचार्यों द्वारा पूजा तथा अर्चन करवाया गया।

कार्यक्रम का आयोजन दुर्गाराम माली ने करवाया जिसमें जयंतीलाल दवे, महादेव ओझा, रूपलाल सीरवी, हकमाराम पटेल, मोहन माली, रतन सीरवी, नारायण सीरवी, नेमाराम सीरवी आदि समाज के विभिन्न गणमान्य लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

भगवत्तता प्राप्त करने की कला सिखाता है अन्तकृत सूत्र : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने अंतगढ़ सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि अन्तकृत सूत्र में भगवत्तता प्राप्त करने की कला समझाई है। कुछ बाधक तत्व बताए जा रहे है, उससे बचने में ही आत्मा मोक्ष मार्ग में निराबाध गतिशील बनेगी। श्रावकों के वर्णन में प्रत्येक मास में छह पौषध का ध्रुव विधान बताया। चरम शरीरी अर्थात् उसी भव में मोक्ष जाते है, ऐसी आत्माएँ सभी बाह्य तप अनशनादि करते ही है, एकांत नियम नहीं है। पूर्व कर्मो का भार (मोह) ज्यादा रहता है तो बाह्य तप अधिक करते है ,जो हलुकर्मी होते है उन्हें अल्प समय में आभ्यन्तर तपों से ही संपूर्ण अष्ट कर्मों का क्षय कर मोक्ष प्राप्त कर लेते हैं।

झूलों झुल्यो रे थे तो त्रिशला रा जाया..

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। चेन्नई में बुधवार को साहुकारपेट स्थित धर्मनाथ जिन मंदिर के पालनाजी रावतमल गुलाबचंद कचरमल अनिल रिषभ रौनक लोढ़ा के गृहांगन लाया गया। जहां पालनाजी झुलाने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

इस मौके पर देर रात तक विभिन्न संगीत मंडलों द्वारा रात्रि प्रभु भक्ति का कार्यक्रम जारी रहा।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.